वर्षः- 06
अंकः- 55
मुरादाबाद
(Monday)
15 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

फ्रांस में भारत इनोवेट्स का उद्घाटन, पीएम मोदी ने कहा- हमारे रिश्ते साझा सोच से प्रेरित

पीएम मोदी फ्रांस पहुंच चुके हैं। इस दौरान वो जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। पीएम आज फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से भी मुलाकात करेंगे। नीस में आयोजित भारत इनोवेट्स-2026 कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। । इस दौरान भारत-अमेरिका और भारत-फ्रांस संबंधों के साथ निवेश, तकनीक और रणनीतिक सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण बातचीत होने की संभावना है। वहीं, कुछ दिन बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात तय है।भारत इनोवेट्स के उद्घाटन समारोह में भारत-फ्रांस

संबंधों पर बात करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, इस रिश्ते में जुड़ाव, भरोसा, इनोवेशन, प्रेरणा, साझा मूल्य और साझा विजन शामिल हैं। इसी रिश्ते की नींव पर, हमने पिछले कुछ वर्षों में मिलकर नई पहल शुरू की हैं और नए विचारों को आगे बढ़ाया है। हमने वैश्विक चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए भी हर संभव प्रयास किया है। चाहे वह इंटरनेशनल सोलर अलायंस हो, एआई से जुड़ी बातचीत हो, या सुरक्षा से लेकर सस्टेनेबिलिटी तक हमारी साझेदारी हो - यानी, हम दोनों देशों ने मानवता से जुड़ी चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए मिलकर काम किया है। इस साल फरवरी में भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर की शुरुआत हुई थी। मुझे खुशी है कि आज हम फ्रांस के साथ मिलकर %भारत इनोवेट्स% का उद्घाटन कर रहे हैं%।भारत इनोवेट्स% के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, %दुनिया भर के अलग-अलग देश एक-दूसरे के साथ व्यापार करते हैं और रणनीतिक साझेदारी भी करते हैं। लेकिन कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जो आपसी हितों के अलावा एक साझा सोच से भी प्रेरित होते हैं। भारत-फ्रांस के संबंध ऐसे ही रिश्तों में से एक हैं।इस दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने आगे कहा कि, भारत, जो रिसर्च और इनोवेशन से आगे बढ़ रहा है, ग्लोबल इनोवेशन में सबसे आगे है। और अगर मैं सिर्फ एक उदाहरण दूं कि आप क्या कर सकते हैं, तो स्पेस सेक्टर इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। चंद्रयान-3 मिशन के साथ, चांद के साउथ पोल पर उतरने का कारनामा रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया, जिससे भारत की ताकत और इनोवेशन की क्षमता का पता चलता है%।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत इनोवेट्स के उद्घाटन समारोह में अपने भाषण में कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नीस में आपका स्वागत करना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है। कुछ महीने पहले, हमने मुंबई में मिलकर भारत-फ्रांस इनोवेशन वर्ष की शुरुआत की थी। सवाल यह नहीं था कि क्या भारत इनोवेशन कर रहा है, बल्कि यह था कि भारत के साथ मिलकर इनोवेशन कौन करेगा... आदरणीय प्रधानमंत्री, मैं आपकी इस यात्रा के लिए आपको बधाई देना चाहता हूं। कुछ ही दिन पहले, आप आजादी के बाद से भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बने हैं। यह एक लंबा सफर रहा है जो आपके पक्के इरादे और आपके देश की मजबूती को दिखाता है; यह वाकई बहुत शानदार है। इसलिए, हमें बहुत गर्व है कि आप हमारे बीच यहां मौजूद हैं।

फ्रांस के नीस शहर में आयोजित भारत इनोवेट्स कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और फ्रांस के संबंधों को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों को इस वर्ष विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया गया है।

गोयल ने याद दिलाया कि फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता की थी, जबकि फरवरी 2026 में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि अब दोनों नेता नीस में फिर एक साथ आए हैं और एक समावेशी तथा नवाचार आधारित दुनिया के साझा विजन को आगे बढ़ा रहे हैं। गोयल ने कहा कि 2026 को भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जिससे इस पहल को विशेष महत्व मिला है।फ्रांस के नीस शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों जल्द ही भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का संयुक्त उद्घाटन करेंगे। इस आयोजन में भारत, फ्रांस और अन्य देशों के प्रमुख स्टार्टअप, वेंचर कैपिटल फंड, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और नवाचार विशेषज्ञ एक मंच पर जुटेंगे। फ्रांस के नीस शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। मैक्रों ने गर्मजोशी के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। दोनों नेता जल्द ही भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे। इस आयोजन में भारत, फ्रांस और अन्य देशों के स्टार्टअप, निवेशक, उद्योग जगत और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।नीस में आयोजित होने वाला भारत इनोवेट्स 2026 कार्यक्रम भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों और केंद्र पोषित तकनीकी संस्थानों से निकल रहे नवाचारों को वैश्विक पहचान दिलाने की पहल है। इस मंच के जरिए देश के उभरते तकनीकी उद्यमों की पहचान की जाएगी और उन्हें मार्गदर्शन, निवेश तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। कार्यक्रम में शोध से बाजार तक की यात्रा को तेज करने और वैश्विक साझेदारी को मजबूत बनाने पर विशेष जोर रहेगा।फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के आमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज फ्रांस के नीस शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस दौरान 14 जून को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच अहम द्विपक्षीय वार्ता होगी, जिसमें दोनों देशों के रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी संबंधों को और मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दोनों नेता संयुक्त रूप से भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का शुभारंभ भी करेंगे।फ्रांस के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नीस शहर में भारतीय समुदाय ने गर्मजोशी से स्वागत किया। बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीयों ने उनका अभिनंदन किया, जिसे प्रधानमंत्री ने बेहद यादगार बताया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि नीस में भारतीय समुदाय द्वारा मिला स्वागत अविस्मरणीय रहा। उन्होंने कहा कि भले ही भारतीय समुदाय देश से हजारों मील दूर रहता हो, लेकिन भारत के साथ उसका जुड़ाव आज भी उतना ही मजबूत है। फ्रांस पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि उनके दौरे में नीस के अलावा एवियन और पेरिस में भी कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान भारत के प्रमुख विकास साझेदार देशों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय चर्चाएं होंगी। प्रधानमंत्री ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात और भारत इनोवेट्स कार्यक्रम में भाग लेने को लेकर भी उत्साह जताया। उनका यह दौरा भारत-फ्रांस संबंधों को नई मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पंचायती राज मंत्री राजभर का बड़ा बयान, बोले - अखिलेश यादव की वजह से पंचायत चुनाव की प्रक्रिया बाधित हुई

यूपी सरकार के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने यूपी में पंचायत चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की वजह से पंचायत चुनाव समय से नहीं हो सके।केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को अकबरपुर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश के पंचायती राज और जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को निशाने पर लेते हुए कानून-व्यवस्था और पंचायत चुनाव के मुद्दे पर कई आरोप लगाएकैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि पंचायत चुनाव कराने की तैयारी सरकार पूरी तरह कर चुकी थी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने लीगल सहयोगियों की मदद से हाईकोर्ट में याचिका दायर करवा दी जिसके कारण प्रक्रिया प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि सरकार केवल अदालत के फैसले का इंतजार कर रही है। हजार दंगे हुए थे जिनमें टांडा भी शामिल रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुजफ्फरनगर दंगों के दौरान लोग मारे जा रहे थे और उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री व्यस्त थे। इसके विपरीत भाजपा सरकार में कहीं भी दंगा नहीं हुआ।मंत्री अनिल राजभर की मोहम्मद सालार गाजी की दरगाह का सर्वे कराने बयान पर एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली की प्रतिक्रिया पर तीखा बयान दिया।

राम मंदिर दान विवादः अखिलेश बोले- अगर पुलिस दोषियों को नहीं ढूंढ पाई तो हम मदद करेंगे, साजिश की जड़ें पास में

अयोध्या राम मंदिर चंदे विवाद पर टिप्पणी करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यदि पुलिस दोषियों को नहीं खोज पा रही है तो हम मदद कर दें। अयोध्या के राम मंदिर दान फंड में कथित गड़बड़ियों को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। राज्य सरकार द्वारा इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल के गठन के बाद, समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तीखा तंज कसा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि इस साजिश की जड़ें ज्यादा दूर नहीं हैं, और अगर पुलिस दोषियों की पहचान करने में नाकाम रहती है, तो वे खुद इसमें मदद करने को तैयार हैं।अपने पोस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लिखा, इस साजिश की जड़ दूर नहीं है, इसलिए अगर सच सामने लाना है तो कार्रवाई करने के लिए ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं

पड़ेगी। उन्होंने आगे जोड़ा, अगर पुलिस दोषियों की पहचान नहीं कर पाती है, तो हम मदद कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने अपने इस बयान में सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया कि उनका इशारा किसकी तरफ था।यह पूरा विवाद तब और बढ़ गया जब राम मंदिर की देखरेख करने वाले %श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट% ने खुद सरकार से एक निष्पक्ष जांच की मांग की। ट्रस्ट का कहना था कि सोशल मीडिया और अन्य जगहों पर भ्रामक जानकारियां फैलाकर मंदिर की छवि को धूमिल करने की कोशिश की जा रही है।इससे पहले अखिलेश यादव ने आरोप लगाया था कि राम मंदिर के दान से करोड़ों रुपये गायब होने की खबरें आ रही हैं, जिस पर कोर्ट को खुद संज्ञान लेना चाहिए। इन आरोपों को खारिज करते हुए ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि मंदिर का आंतरिक ऑडिट (जांच) चल रहा है। भारतीय स्टेट बैंक और ट्रस्ट के अधिकारी समय-समय पर खातों की जांच करते हैं, और अभी तक गबन या हेरफेर का कोई भी सबूत सामने नहीं आया है। भाजपा के भीतर से भी उठे सुर- यह मामला केवल विपक्ष तक ही सीमित नहीं रहा। पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने भी बयान दिया था कि वे दान राशि के दुरुपयोग के बारे में जानते हैं, हालांकि उन्होंने खुलकर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। वहीं, वरिष्ठ भाजपा नेता रजनीश सिंह ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि ट्रस्ट की संपत्ति, बैंक खातों, खर्चों और जमीन के लेन-देन के ब्योरे को सार्वजनिक किया जाए।

भारतीय नाविकों की मौत पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल, कहा- कोई भी संप्रभु देश ऐसी भाषा नहीं सहता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिकी बयानों और भारतीय नाविकों की मौत के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका भारत को निर्देश दे रहा है और प्रधानमंत्री चुप हैं। यह विवाद होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नाकेबंदी, ओमान तओमान तट के पास अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में भारतीय नाविकों की मौत और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका के हालिया बयानों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिका की ओर से भारत को कड़े संदेश दिए जाने के बावजूद

प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी संप्रभु देश को ऐसी भाषा स्वीकार नहीं करनी चाहिए। राहुल गांधी की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच बातचीत के बाद अमेरिका ने होर्मुज क्षेत्र में अपने निर्देशों का पालन करने पर जोर दिया है।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर हिंदी में पोस्ट कर कहा कि अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों की मौत के कुछ दिन बाद भी न तो खेद व्यक्त किया गया और न ही माफी मांगी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके उलट अमेरिका भारत को निर्देश दे रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि एक संप्रभु राष्ट्र ऐसी भाषा कभी स्वीकार नहीं करेगा, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को समझौता कर चुके प्रधानमंत्री बताते हुए कहा कि वे एक आज्ञाकारी सेवक की तरह आदेश सुनते हैं और उनका पालन करते हैं। राहुल गांधी ने यह भी दावा किया कि ऐसा नेतृत्व देश के सम्मान की रक्षा नहीं कर सकता।यह विवाद उस समय और बढ़ गया जब अमेरिका ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में उसकी नाकेबंदी का उल्लंघन और ईरानी तेल का अवैध परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बातचीत में यह बात कही। इससे पहले जयशंकर ने ओमान तट के पास अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में भारतीय नागरिकों की मौत पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। भारत ने नई दिल्ली में अमेरिकी कार्यवाहक राजदूत जेसन मीक्स को भी तलब कर स्पष्ट किया कि भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर घातक हमले स्वीकार्य नहीं हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने दोनों देशों के बीच कूटनीतिक चर्चा को तेज कर दिया है।राहुल गांधी ने ओमान के दुक्म बंदरगाह पर खड़े एक जहाज में मृत भारतीय नागरिक निशांत उर्थनाथन के मामले को भी उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार से पार्थिव शरीर को जल्द भारत लाने की मांग की। ईरान के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी जारी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर भारतीय जहाजों को निशाना बनाने के लिए ड्रोन हमले करने का आरोप लगाया, जबकि ईरान ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया। होर्मुज क्षेत्र में जारी तनाव और समुद्री यातायात में व्यवधान के कारण भारतीय नाविकों और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं।

समुद्र में संकटः ओमान तट के पास डूबी भारतीयों से भरी नौका, अमेरिका ने तुरंत पहुंचाई मदद;सभी 14 लोग सुरक्षित

ओमान के रास अल हद्द तट से करीब 80 नॉटिकल मील दूर भारतीयों से भरी एमएसवी विराट-1 नाव के डूबने की सूचना मिली। नाव में सवार सभी 14 भारतीयों को सुरक्षित रूप से जीवनरक्षक नौका (लाइफ राफ्ट) में स्थानांतरित कर दिया गया। अमेरिकी नौसेना के पी-8 विमान ने बचाव सामग्री उपलब्ध कराई, जबकि भारतीय नौसेना के जहाजों को घटनास्थल की ओर रवाना किया गया।ओमान के तट के पास समुद्र में एक बड़ा हादसा टल गया, जब 14 भारतीय नागरिकों को लेकर जा रही एक पारंपरिक नौका अचानक संकट में फंसकर डूबने लगी। घटना की सूचना मिलते ही अमेरिकी नौसेना, भारतीय नौसेना और पास से गुजर रहे एक व्यापारी जहाज ने संयुक्त रूप से बचाव अभियान शुरू किया। (लाइफ राफ्ट) में सुरक्षित पहुंचा दिया गया। अधिकारियों के अनुसार यह घटना ओमान के रास अल हद्द से लगभग 80 नॉटिकल मील पूर्व में हुई। समुद्र में बढ़ते तनाव और सुरक्षा चुनौतियों के बीच यह सफल बचाव अभियान

राहत की खबर लेकर आया है।कुछ मीजिया रिपोर्ट्स के अनुसार 14 जून की सुबह अमेरिकी नौसेना को सूचना मिली कि भारतीय नागरिकों को लेकर जा रही नौका संकट में है और उसके डूबने का खतरा पैदा हो गया है। इसके बाद अमेरिकी नौसेना ने तटीय अधिकारियों और भारतीय नौसेना को अलर्ट किया। अमेरिकी नौसेना के पी-8 समुद्री निगरानी विमान ने तुरंत मौके पर पहुंचकर एक जीवनरक्षक नौका समुद्र में गिराई और पूरी निकासी प्रक्रिया पर नजर रखी। नौका पर सवार सभी 14 लोग सुरक्षित रूप से इस जीवनरक्षक नौका में पहुंच गए। इसके साथ ही भारतीय नौसेना के जहाजों को भी घटनास्थल की ओर रवाना किया गया ताकि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त सहायता दी जा सके।बचाव अभियान में एमवी जबल अली-9 नामक व्यापारी जहाज ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेंट किट्स एंड नेविस के ध्वज वाला यह जहाज सोहार से मुंबई की ओर जा रहा था और घटना स्थल के अपेक्षाकृत करीब मौजूद था। अमेरिकी पी-8 विमान ने इस जहाज से संकटग्रस्त नौका की ओर बढ़ने और सहायता देने का अनुरोध किया। जहाज ने तुरंत दिशा बदली और बचाव अभियान में शामिल हो गया। सूत्रों के मुताबिक इसी जहाज से पुष्टि हुई कि सभी 14 भारतीय जीवनरक्षक नौका में सुरक्षित पहुंच चुके हैं।

संपादकीय Editorial

BJP is splitting Trinamool Congress

It is now openly clear that the BJP is splitting the Trinamool Congress. Evidence of this is the fact that 12-14 rebel Trinamool MPs gathered at the residence of Union Minister and BJP's Bengal in-charge Bhupendra Yadav. Bengal Chief Minister Suvendu Adhikari was also present at that meeting and discussion. On Monday evening, Chief Minister Suvendu also visited the residence of Shatabdi Roy, the alleged deputy leader of the rebel MPs. There, too, meetings and negotiations took place with the rebel Trinamool faction. We say "negotiations" because those meetings must have decided how to become part of the NDA and ultimately how to join the BJP. If there were no allurements or attractions, why would any MLA or MP rebel? Discontent and rebellion are possible in any political party, and history is replete with such incidents. This sabotage exercise was underway while Trinamool President Mamata Banerjee was attending a meeting of the opposition "India" alliance. The two locations are approximately 1.5 kilometers apart. Mamata Banerjee couldn't stop her MPs from switching sides because the rebels saw a "bright" political future within the BJP. The MPs who enjoyed Mamata Banerjee's 15-year rule, treated her like a goddess, and won elections to the Lok Sabha using her party's election symbol and her political appeals, are now calling Trinamool a party of brokers, thieves, dacoits, and rapists. Wow! What parliamentary politics and anti-defection law is this? Sure, this law allows two-thirds of the rebel group to form and recognize a separate faction, but even this law has proven to be aimless and meaningless. If Trinamool MPs were going to split, why did they go to the BJP leader's residence? Why did the BJP leader extend an unannounced invitation? The Chief Minister also, coincidentally, didn't attend. Apparently, the BJP leadership decided that breaking Trinamool after its crushing electoral defeat would be an easy task and include it as a component in the NDA. The BJP-NDA needs to increase its numbers in both houses of Parliament to more easily pass constitutional amendment bills, which require a two-thirds majority. Priority is the delimitation bill, which could implement the women's reservation law. The number of seats for MPs from different states could be increased. The ruling party failed to pass this bill in the last parliamentary session by a margin of 54 votes. Now, 20 rebel Trinamool Congress MPs have written to Speaker Om Birla requesting recognition as a "separate faction." They now want to be part of the NDA, and seating arrangements should be made accordingly. This decision rests with the Speaker, but the original Trinamool Congress leaders are questioning the signatures of 20 MPs on such a proposal. Our fundamental question is why the BJP is encouraging the disintegration of the Trinamool Congress?

Pakistan's Barbarity

It is in India's interest that the world community is fully aware of Pakistan's illegal occupation of Indian territory. This will only put Pakistan under pressure and strengthen India's claim to this territory. Thirty people were killed in PoJK due to repression by the Pakistani army. The promises of the Muzaffarabad Accord proved hollow, fueling discontent. India must strengthen its claim to PoJK. It is good that India has taken cognizance of the Pakistani army's repression against the people of Pakistan-occupied Jammu and Kashmir. This action was necessary because 30 people have been killed and hundreds injured due to Pakistani army firing. Additionally, many people have been arrested and jailed to try to quell the fire of discontent, but it is only fueling it. This is due to the Pakistani government's breach of promise to the people there. The promises made by the Pakistani government in October last year under the Muzaffarabad Accord to address the problems of the people there have proven to be hollow. The patience of the people there has run out, as inflation rises and the lack of basic amenities worsens. This isn't the first time the people of this Pakistan-occupied Indian territory, frustrated by their neglect and plight, have rebelled. They've done so before, but each time they've been met with repression. Pakistan exploits the resources of this occupied Indian territory, but fails to provide even basic amenities to its people. Pakistan, which frequently invokes the Kashmir issue to harass India, is now engaging in such oppression against its own people that it's hard to imagine. Undoubtedly, it's not enough for India to simply express concern over the deteriorating situation in occupied Jammu and Kashmir. It's also essential to take steps that will bring the international community to serious attention to the worrying situation there. It's true that 50 British MPs expressed concern over the ongoing atrocities against the people there, but why is it that the European Community, and especially the United States, remain silent? The silence of these countries reveals their double standards regarding the brutal violation of human rights. It is in India's interest that the world community is fully aware of Pakistan's illegal occupation of this Indian territory. This will put pressure on Pakistan and strengthen India's claim to this territory. India must be more proactive in strengthening its claim over occupied Jammu and Kashmir, as Pakistan's illegal occupation of this region prevents India from establishing direct access to Afghanistan. India must remain committed to the resolution passed in Parliament stating that it is serious about regaining this territory and extending its border to Afghanistan.

Modi stands the test of trust: Nitish Kumar

Effective leadership requires sustained effort, tireless hard work, and discipline. Prime Minister Modi's tireless energy and unwavering dedication have helped him maintain widespread public trust for such a long time. In a vast and competitive democracy like India, winning public trust is difficult and maintaining it even more so. Yet, despite intense competition and harsh public scrutiny, Narendra Modi has succeeded in maintaining public confidence. While we both come from geographically different regions of India, we also represent the same generation whose political consciousness was affected by the Emergency. We witnessed the assault on democratic freedoms with our own eyes and participated in the movement aimed at restoring democratic values. That struggle shaped our understanding of public life and democratic values. For decades, there was a perception that the highest offices in the country were reserved for a privileged few or those born into influential political families. Prime Minister Modi's journey challenged this notion. Rising from a humble background to the highest elected office in the country, Modi is an inspiration to millions. His success story strengthens the belief that in a vibrant democracy, determination, hard work, and capabilities can defy all odds and elevate individuals to the pinnacle of success. His success is not merely a personal achievement but also a living testament to the strength and openness of Indian democracy. As a follower of Dr. Lohia, JP, and many other great socialist leaders, I have always viewed politics as a means to ensure the well-being of the people. Lifting people out of poverty and ensuring a dignified life for them should be the top priority of any politician. In this regard, PM Modi's record has been outstanding. Under his leadership, the NDA government has lifted 250 million people out of multidimensional poverty. Under his government, toilets, bank accounts, houses, gas connections, tap water supply, health insurance coverage, and numerous other basic necessities have become available to millions of people. A large segment of Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Backward Classes, Extremely Backward Classes, women, poor families, and first-generation beneficiaries of development programs have now begun to see themselves as active participants in India's development story. Youth have found new entrepreneurial opportunities through special schemes. Bringing these groups into the mainstream of national development has been a key catalyst in ensuring social justice. Several schemes of the Modi government dedicated to the welfare and dignity of women have directly benefited women and made their lives easier. My own experience in Bihar has shown that when women are placed at the center of development efforts, society progresses rapidly. It's no wonder that the success of our Jeevika experiment in Bihar is now being discussed worldwide. Having served as Chief Minister for several years, I understand the challenges faced in ensuring the benefits of schemes reach the actual beneficiaries. Good intentions alone are not enough; effective implementation is equally important. Attention to every aspect, both large and small, is essential. Prime Minister Modi emphasizes ensuring that governance results in tangible benefits for citizens. Whether it's welfare schemes, infrastructure development, or public service delivery, he has always focused on efficiency, transparency, and accountability. Public trust in institutions is strengthened when government benefits reach people more effectively and without leakages. This trust has been further strengthened by the Prime Minister's constant engagement and dialogue with citizens, which has helped foster a strong government-public relationship. I have always embraced and supported a zero-tolerance approach to corruption. Among the qualities that have endeared PM Modi to the public are his impeccable record and his strong stance against corruption. There have been few leaders in Indian politics who have remained at the helm of power for decades, untainted. He has also demonstrated a willingness to take action against corrupt institutions through the legal process. A significant feature of PM Modi's tenure has been the rise of India's importance on the global stage. This is why the world today looks at India with hope. Prime Minister Modi's political journey also includes a long and successful tenure as Chief Minister of Gujarat. He will soon complete 25 years of continuous service as the head of an elected government. This experience at the state and national levels has given him a deep understanding of the needs of states and the importance of supporting them. His tenure as Prime Minister underscored his strong commitment to cooperative federalism. My own experience as Chief Minister was that he supported Bihar's development regardless of political circumstances. Prime Minister Modi has great respect for Bihar's unique culture and traditions. Effective leadership requires sustained effort, tireless hard work, and discipline. Prime Minister Modi's tireless energy and unwavering dedication are evident. It is this that has helped him maintain widespread public trust for so long. He has reached the milestone of becoming India's longest-serving continuously elected Prime Minister. This is an occasion to celebrate his contributions to public life and wish him many more such achievements.

Lagging Accountability in the Government System

If corruption is to be controlled, good governance truly established, and India truly developed, accountability in the government system is not only necessary, but essential. Inadequate action against officials in the CBSE and NEET cases. No action against officials responsible for the Delhi hotel fire. The lack of accountability in the government system is a matter of serious concern. Following irregularities in the evaluation of the Central Board of Secondary Education (CBSE) Class 12 exams, the central government removed Rahul Singh from his post, seemingly as if it had finally determined it was necessary to establish accountability in this scandalous matter. However, news soon emerged that he had been appointed Additional Secretary in the Ministry of Agriculture and Farmers Welfare. What kind of action and accountability is this? Why would this transfer affect his health? Himanshu Gupta, who was removed from the post of CBSE Secretary along with him, was sent back to his original cadre. He may not receive a central deputation for some time, but it is difficult to call this any kind of harsh action. In the CBSE case, two officials were transferred. Even more serious, nothing was done in the NEET paper leak case. No official of the National Testing Agency (NTA), the organization that conducts the exam, was transferred or suspended. This despite the Supreme Court's clear statement that such incidents cannot be prevented without accountability. The government, and particularly Education Minister Dharmendra Pradhan, is under attack from the opposition over the NEET paper leak. In addition to the Congress, the Cockroach Janata Party recently protested in Delhi, demanding his resignation. While this protest was lackluster and made no impact, this does not mean that the NEET paper leak issue is not serious and that the government's need for accountability is eliminated. Since no minister has been asked to resign for any irregularities or mistakes during the Modi government's tenure, there is no possibility of the Education Minister resigning either. It's difficult to say whether the Modi government will reshuffle its cabinet in its third term, and whether ministers who failed to perform or brought disrepute to the government will be removed when that happens. However, the NEET paper leak is a very serious matter. Many students have committed suicide due to the stress of re-exams. Will anyone take responsibility for this? It's true that dismissing an official or accepting a minister's resignation due to a major mistake, error, or accident doesn't resolve the issue, but when this happens, public sentiment is appeased and anger and resentment subside. When this doesn't happen, the question arises: does accountability and moral responsibility even exist? It's not just about exam irregularities and the resulting distress and suicides of millions of students. The accountability of the government machinery is difficult to determine in many other cases as well. The latest example is the fire that killed 22 people in Delhi, which was illegally built and operating without a fire department clearance certificate. Many of these people were foreigners who had come to Delhi for the treatment of their family members. After the deaths of 22 people, the hotel owner and the cook were arrested,

दो युवकों पर सरेआम फायरिंग के बाद तनाव, एक की गर्दन में गोली लगने से मौत, दूसरे की हालत गंभीर

कुंदरकी के चक खिताबपुर उर्फ खनुपुरा गांव में रविवार सुबह बदमाशों ने दो युवकों को गोली मार दी। इसमें एक की मौत हो गई जबकि दूसरे की हालत गंभीर है। घटना के बाद परिजनों ने हंगामा कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।कुंदरकी थाना क्षेत्र के ग्राम चक खिताबपुर उर्फ खनुपुरा में रविवार सुबह गोलीकांड से सनसनी फैल गई। कुछ लोगों ने दो युवकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसमें एक युवक की मौके पर ही मौत जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।अंकित (22) पुत्र कल्लू जाटव अपने घर के दरवाजे पर खड़ा था जबकि आशीष चौधरी (35) पुत्र सुखवीर खेत पर जा रहा था। इसी दौरान हमलावरों ने दोनों को निशाना बनाकर गोली चला दी। अंकित की गर्दन में गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आशीष के सिर में गोली लगी है। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। युवक की हत्या से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने का विरोध किया तथा आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।मौके पर पहुंचे एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों से बातचीत कर मामले की जानकारी ली। एसपी देहात ने परिजनों को आरोपियों के कार्रवाई और शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद स्थिति शांत हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।दिनदहाड़े हुई इस अंधाधुंध फायरिंग से इलाके में दहशत- गोली लगते ही अंकित खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गया और अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बदमाशों द्वारा की गई इस ताबड़तोड़ फायरिंग के दौरान वहां मौजूद अंकित का दोस्त अजीत (21) भी सिर में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। दिनदहाड़े हुई इस अंधाधुंध फायरिंग से आसपास के इलाके में भय और दहशत का माहौल बन गया। हमलावरों के खौफ से डरे-सहमे ग्रामीण उनके मौके से भाग जाने तक अपने-अपने घरों में दुबके रहे। गोली लगने से घायल अजीत की हालत चिंताजनक- बदमाशों के जाने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने खून से लथपथ अजीत को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। इस दौरान पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने पीड़ित परिवार और ग्रामीणों को ढांढस बंधाया तथा भरोसा दिलाया कि समाज में डर पैदा करने वाले इन बदमाशों को बख्शा नहीं जाएगा उन्हें जल्द ही कानून के दायरे में लाकर सख्त सजा दिलाई जाएगी।

गंगा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा: एक साथ टकराए 3 वाहन, मनोना धाम से पंजाब घर लौट रहा था परिवार; बाप-बेटे की मौत

यूपी के अमरोहा में गंगा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा हुआ। एक के बाद एक पीछे से तीन वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। हादसे का शिकार हुआ मैजिक में सवार परिवार मनोना धाम से पंजाब घर लौट रहा

रविवार तड़के भीषण सड़क हादसा और उनकी बेटी आशु (22) की मौत घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ चंडीगढ़ लौट रही मैजिक कुत्ते को इसके बाद घायलों की मदद के लिए ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे एक पीछे से तीन वाहन भी टकरा निवासी लक्ष्मण सिंह परिवार मनोना रहा था। जैसे ही मैजिक सैदइस दौरान रहा था। जैसे ही दीपक ने कुत्ते को नियंत्रण खो बैठा और मैजिक सड़क हो गए। चीखपुकार मचने पर स्थानीय को बाहर निकालने की कोशिश कर ने सड़क किनारे खड़े लोगों को टक्कर था।अमरोहा के सैदनगली में गंगा एक्सप्रेसवे पर हो गया जिसमें पंजाब निवासी लक्ष्मण (65) हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग जब मनोना धाम से बहन का इलाज कराकर बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। रुके लोगों को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वाहनों हादसा और भी भयावह हो गया। एक के बाद गए।पंजाब में मोहाली थानाक्षेत्र के ढकोली धाम से आशु का इलाज कराकर वापस लौट मैजिक को लक्ष्मण का बड़ा बेटा दीपक चला बचाने का प्रयास किया तो वह स्टेयरिंग से पर पलट गई। वाहन में सवार कई लोग घायल लोग मौके पर पहुंचे और शींशे तोड़कर घायलों रहे थे, तभी पीछे आ रही तेज रफ्तार टेंपो ट्रैवलर मार दी। इसके चलते कई वाहन आपस में भिड़ गए और एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी मच गई। घटनास्थल पर चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग भी मदद के लिए दौड़ पड़े। हादसे में लक्ष्मण और उनकी बेटी आशु की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि सरिता (45), दीपक (38), दीपिका (30), राहुल (30), परी (5), नैतिक (3) और खुशप्रीत (4) समेत एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गया। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सरिता की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। सीओ पंकज त्यागी ने बताया कि हादसे में घायलों का इलाज कराया जा रहा है। मृतक पिता-पुत्री के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश के रामपुर आने की अटकलें तेज

विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां फिर से तेज होने लगी हैं। सपा की चुनाव तैयारी के बीच आजम खां की प्रमुख भूमिका होने जा रही है। यही कारण है कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के रामपुर आने चर्चा राज राजनीतिक गलियारों में तेज है। कारागार में सजा काट रहे आजम

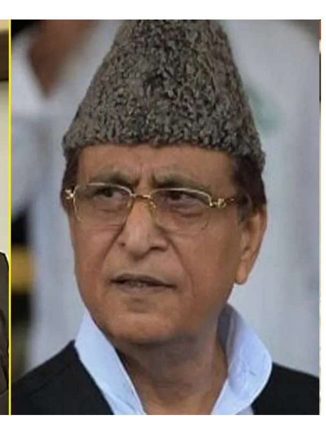

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अहम मानी जा रही है। सपा हुए आजम खां के करीबी नेता राजा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष खां से जल्द मिलने की बात जिलाध्यक्ष अजय सागर भी बाद से ही अखिलेश यादव के पकड़ रही है। उनकी मुलाकात रणनीति पर मंथन होगा। चर्चा अखिलेश यादव जिला खां से मुलाकात करेंगे। 2027 करीब हैं, ऐसे में ये मुलाकात कार्यालय पर प्रेसवार्ता करते और नगर अध्यक्ष आसिम अखिलेश यादव के आजम कही थी। इस दौरान उनके साथ मौजूद थे।इसके रामपुर आने की चर्चा जोर में 2027 के चुनावी समर की है कि अखिलेश यादव और आजम खां की मुलाकात होती है तो जनपद की पांच सीटों पर प्रत्याशियों के चयन में आजम खां प्रमुख तय मानी जा रही है। साथ ही मुरादाबाद मंडल सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के टिकट वितरण में उनकी भूमिका भी तय होगी। आजम खां से प्रतिद्वंद्विता रखने वाले पार्टी नेताओं के सुर-बदलने लगे हैं। वहीं, रामपुर सांसद की टिकट वितरण क्या भूमिका रहेगी यह तो समय बताएगा। जेल में होने के बावजूद आजम खां का कद बढ़ता है तो इसका सीधा प्रभाव सपा सांसद भी पड़ेगा। सपा नगर अध्यक्ष और आजम खां के करीबी नेता आसिम राजा का कहना है कि राजनीतिक रूप से आजम खां आज भी महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने भी अखिलेश यादव रामपुर आने की बात पर सहमति जताई है। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का रामपुर में आजम खां से मिलने का योजना है। जल्दी वह रामपुर आ सकते हैं। हालांकि, अभी पार्टी की ओर कार्यक्रम जारी होने का इंतजार है। - अजय सागर, सपा जिलाध्यक्ष रामपुर। 2022 चुनाव में तीन सपा और दो भाजपा के खाते में गईं शहर सीट पर 2022 के विधानसभा चुनाव में आजम खां ने 55,141 मतों से जीत दर्ज कीथी। सजा के चलते उनकी विधायकी जाने के बाद कराए गए उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना ने जीत दर्ज की। चमरौआ सीट पर आजम खां के बेहद करीबी नसीर अहमद खान ने 34,290 मतों से जीत दर्ज की थी। वह आजम खां के पुराने साथी हैं और टिकट के मजबूत दावेदार हैं। उनकी उम्र टिकट के आड़े आ सकती है। सूत्रों की माने तो इस सीट पर अंतिम फैसला आजम खां का ही होगा। स्वार-टांडा सीट पर आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम यहां 61,103 मतों से चुनाव जीते थे। लेकिन सजा के चलते उनकी विधायकी चली गई। 2022 उपचुनाव में भाजपा की सहयोगी पार्टी अपना दल एस के शफीक अंसारी को प्रत्याशी बनाया और उन्होंने जीत हासिल की। मिलक-शाहबाद रिजर्व सीट से भाजपा प्रत्याशी राजबाला सिंह ने 5912 मतों से जीत दर्ज की थी। उन्होंने सपा के विजय सिंह को हराया था। वहीं बिलासपुर सीट पर भाजपा प्रत्याशी बलदेव सिंह औलख ने 307 मतों के बेहद कम अंतर से जीत दर्ज की थी। वह सरकार में कृषि राज्यमंत्री भी बनाए गए।

सजा के खिलाफ सेशन कोर्ट पहुंचे आजम खां

रामपुर। डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में सुनाई गई दो साल की सजा के खिलाफ सपा नेता आजम खां ने अब सेशन कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने मजिस्ट्रेट कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ एमपीएमएलए सेशन कोर्ट में अपील दायर की है। इस मामले में अब दो जुलाई को सुनवाई होगी।यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव का है। आजम खां पहली बार लोकसभा चुनाव लड़े थे। तब सपा और बसपा का गठबंधन था। रामपुर लोकसभा सीट सपा को मिली थी। चुनाव प्रचार के दौरान आजम खां ने कई बार विवादित बयानबाजी की थी। उनके खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में कई मुकदमे आचार संहिता उल्लंघन के दर्ज हुए थे। चुनाव आयोग ने उनके प्रचार पर भी रोक लगा दी थी।

इनमें ही एक मुकदमा थाना भोट में दर्ज हुआ था। यह मुकदमा तत्कालीन एसडीएम घनश्याम त्रिपाठी की ओर से दर्ज कराया गया था। इसमें कहा था कि आजम खां का एक वीडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें वह वाहन पर खड़े होकर माइक से बोल रहे थे और लोग उनके वाहन के चारों ओर खड़े होकर उन्हें सुन रहे थे। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 16 मई 2026 को इस मामले में सपा नेता आजम खां को दोषी ठहराते हुए दो साल की कैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ सपा नेता आजम खां ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई है। अब इस मामले में दायर अपील पर दो जुलाई को सुनवाई होगी। अधिवक्ता नासिर सुल्तान ने बताया कि इस मामले में अपील दायर की जा चुकी है। सुनवाई दो जुलाई को होगी।आठ माह से जेल में बंद हैं आजम- रामपुर। सपा नेता आजम खां बेटे अब्दुल्ला आजम खां के साथ पिछले आठ माह से जेल में बंद हैं। वह बेटे के दो पैन कार्ड मामले में दस साल की सजा काट रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सिविल पेंशनर्स परिषद की बैठक में पेंशनर्स समस्याओं पर मंथन

रामपुर। उत्तर प्रदेश राजकीय सिविल पेंशनर्स परिषद की मासिक बैठक शनिवार को सिविल पेंशनर्स मंडल पुस्तकालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रकाश चंद्र सक्सेना ने की, जबकि संचालन महामंत्री हरीश चन्द्र सक्सेना ने किया। बैठक में पेंशनर्स से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।महामंत्री हरीश चन्द्र सक्सेना ने सदस्यों को अवगत कराया कि मई-जून माह में पेंशनर्स को अपना जीवित प्रमाण-पत्र कोषागार में ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन जमा कराना अनिवार्य है। उन्होंने सभी पेंशनर्स से समय रहते प्रक्रिया पूरी करने की अपील की।बैठक में मोहम्मद अहमद खां ने प्रस्ताव रखते हुए कोरोना काल में रोके गए 18 माह के महंगाई भत्ते का भुगतान शीघ्र कराने की मांग उठाई। सदस्यों ने वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे किराये में पूर्व की भांति छूट तथा रोडवेज बसों में रियायत की सुविधा दोबारा लागू करने की भी मांग की। बैठक में परिषद के उपाध्यक्ष के रिक्त पद पर धर्मवीर सक्सेना को मनोनीत किया गया, जिसका उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से समर्थन किया। बैठक में रोशन लाल, रामभरोसे लाल, धर्मवीर सक्सेना, मोहम्मद अहमद खां, हरिओम, ,शेर सिंह नेगी, मोहम्मद याकूब खां, अनिल कुमार अग्रवाल, शहाब हसन आदि मौजूद रहे।

हाईवे पर दो बाइकें आमने सामने टकराई, पिता पुत्र समेत तीन लाग घायल

बिलासपुर। नैनीताल हाईवे पर शुक्रवार रात दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में भैंसिया ज्वालापुर निवासी आसिफ, शकील अहमद और उनके पुत्र गुलाब रजा घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गुलाब रजा को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।यह हादसा देर रात करीब 11 बजे एक प्लाईवुड फैक्टरी के पास हुआ। आसिफ काम से घर लौट रहे थे, तभी सामने से आ रही शकील अहमद और गुलाब रजा की बाइक से उनकी टक्कर हो गई। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद आसिफ और शकील अहमद को घर भेज दिया। पुलिस ने घटना की जानकारी से अनभिज्ञता जताई है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को रौंदा, घायल

सैदनगर। अजीमनगर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के ग्राम हकीमगंज निवासी अनुराग निवासी ग्राम मिश्री नगर से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान हकीमगंज की तरफ से आ रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने हकीमगंज और मिश्री नगर के बीच बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अनुराग ट्रैक्टर के नीचे आकर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। दुर्घटना के बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में घायल अनुराग को नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर मुरादाबाद रेफर कर दिया है।

ओपीडी में भिड़े दो युवक, हंगामा

रामपुर। जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की लंबी कतार के बीच दो युवकों में कहासुनी हो गई। लाइन में लगे लोगों ने बताया कि एक युवक बिना लाइन में लगे चिकित्सक के कक्ष में जाने लगा, जिस पर कतार में खड़े दूसरे युवक ने विरोध जताया। देखते ही देखते दोनों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर ओपीडी के बाहर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और मरीजों व तीमारदारों की भीड़ जमा हो गई।

सूचना पर पहुंचे अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों ने दोनों युवकों को अलग कर र बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। इस दौरान काफी देर तक हंगामा चलता रहा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/सुमित गुप्ता/ पीलीभीत में विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी पीलीभीत द्वारा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, पीलीभीत स्थित ब्लड बैंक में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने नियमित स्वैच्छिक एवं अवैतनिक रक्तदान करने तथा समाज को रक्तदान के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है तथा आवश्यकता पड़ने पर केवल मानव द्वारा किया गया रक्तदान ही किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। उन्होंने स्वस्थ व्यक्तियों से नियमित रक्तदान करने एवं अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया गया तथा रक्तदान करने वाले व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया

सीएम दौरे की तैयारियां तेज, रामायण वाटिका में जुटे अफसर

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित दौरे को लेकर बीडीए और पुलिस अधिकारियों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने रामायण वाटिका का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बीडीए सचिव वंदिता श्रीवास्तव, एसपी सिटी मानुष पारीक और एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान ने रामायण वाटिका पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, प्रवेश एवं निकास मार्गों सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों द्वारा रिहर्सल भी की जा रही है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिले की कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की आधिकारिक पुष्टि होने के बाद व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा। फिलहाल सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं।

देश में बढ़ रही है सांप्रदायिकता : लिखकर हेड कांस्टेबल मोहम्मद जमशेद ने दिया इस्तीफा

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। फतेहगंज पूर्वी थाने से मुरादाबाद जीआरपी में तैनात हेड कांस्टेबल मोहम्मद जमशेद ने देश में सांप्रदायिकता बढ़ने का आरोप लगाया और राजनीति में जाने की इच्छा जाहिर की है। हेड कांस्टेबल ने अपना त्यागपत्र (इस्तीफा) एसएसपी बरेली अनुराग आर्य को भेज दिया है। मोहम्मद जमशेद का त्यागपत्र पुलिस विभाग में चर्चा का विषय बन गया है।

मोहम्मद जमशेद की हाल तैनाती जीआरपी में हुई है। उन्होंने अपने त्यागपत्र में लिखा है कि पुलिस की वर्दी ने उन्हें बहुत सम्मान दिया है, इसलिए अच्छा पुलिस वाला बनते हुए कभी वर्दी के सम्मान से समझौता नहीं किया। पुलिस की नौकरी से संतुष्ट हूं। मगर वर्तमान समय में प्रदेश व देश के अंदर सांप्रदायिकता बढ़ती जा रही है। जिससे देश और प्रदेश में आदमी एक-दूसरे का दुश्मन बन गया है।

इस्तीफा वायरल - मोहम्मद जमशेद ने आगे लिखा, मैं सांप्रदायिकता को कम करने और देश सेवा के लिए राजनीति में जाना चाहता हूं जिस कारण उत्तरप्रदेश पुलिस से त्यागपत्र देना चाहता हूं। मेरा त्यागपत्र स्वीकार करने करें। जमशेद के द्वारा सौंपा गया त्यागपत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पुलिस महकमे में भी मोहम्मद जमशेद के त्यागपत्र की चर्चा हो रही है। जमशेद का कहना है कि प्रदेश में भाईचारा दोबारा कायम किया जाएगा। धर्मनिरपेक्षता, समानता और एकता के लिए राजनीति में आ रहे हैं। मोहम्मद जमशेद जिला मुरादाबाद के थाना मैनाठेर के गांव गुरेर का रहने वाले हैं। वह 22 मार्च से जीआरपी में संबद्ध हैं।

राहगीर की बाइक-मोबाइल लूटने वाले दो आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

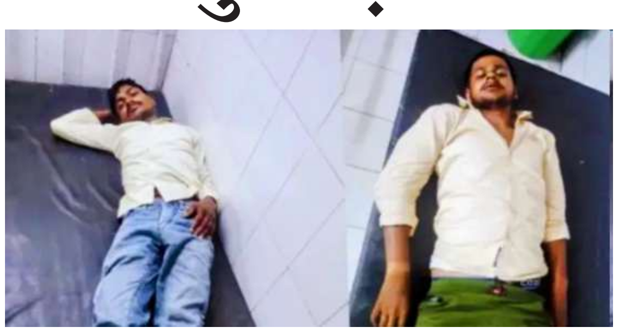

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा /बरेली। अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कड़ी कार्रवाई के बावजूद बदमाश सरेराह लूट जैसी घटनाओं का दुस्साहस कर रहे हैं। पिछले 8 महीनों में बरेली रेंज में ताबड़तोड़ मुठभेड़ सामने आई हैं।

बरेली पुलिस ने राहगीर से बाइक और मोबाइल लूटने वाले दो आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। एक के पैर में गोली लगी है। उसे उपचार के लिए अस्पताल मे भर्ती कराया है। आरोपियों से पास लूटी गई बाइक, तमंचा और कारतूस बरामद हुआ है। घटनाक्रम बहेड़ी का है। उलेतापुर के रहने वाले वीरपाल 4 जून की शाम को अपने घर लौट रहे थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि मिंतरपुर गांव के पास दो बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। तमंचे के दम पर उनकी बाइक और मोबाइल लूटकर भाग गए। उन्होंने बहेड़ी थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई। राह चलते लूट की घटना से पुलिस हरकत में आई और फौरन ही आरोपियों की तलाश में जुट गई। पुलिस ने लूट की घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों को ट्रैस कर लिया। पुलिस के मुताबिक, शनिवार की रात देवीपुरा बाजार के पुलिस टीमें गश्त और चेकिंग कर रही थीं। इस दौरान बाइक सवार दो लोग आते दिखाई दिए। उन्हें रुकने के लिए हाथ दिया लेकिन वे नहीं रुके और घबराहट में बैलेंस खोकर बाइक गिरा दी। पुलिस ने जब उन्हें पकड़ने का प्रयास किया तो दोनों भाग खड़े हुए।पुलिस से घिरता देखकर उन्होंने फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक के पैर में गोली लगी है। वहीं, दूसरा आरोपी बाइक गिरने से चोटिल हो गया। पुलिस दोनों को पकड़कर थाने ले गई। उनके पास से लूटी की बाइक, तमंचा-कारतूस बरामद किया गया है।

केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर ग्राम पंचायत बल्लिया और अमरिया ब्लॉक मे सरकार द्वार चौपाल का भव्य आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/सुमित गुप्ता/ एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत मा0 मंत्री जी ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश जन-कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेला का फीता काटकर किया शुभारम्भ कियाकिसानों को वितरित की बीज किट, आवास योजना व अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को किया सम्मानित मंत्री बलदेव सिंह औलख की अध्यक्षता में विकासखण्ड अमरिया क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत बल्लिया में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केन्द्र सरकार के गौरवमयी बारह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ''सरकार आपके द्वार'' कार्यक्रम में अन्तर्गत चैपाल का आयोजन किया गया। माननीय मंत्री जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षो में देश और उत्तर प्रदेश ने विकास के नए आयाम छुए हैं। सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम का मूल उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाना, गांवों में कराए गए

विकास कार्यों की पुष्टि करना तथा ग्रामीणों की राजस्व से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान, आवास योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण योजना की जानकारी दी व किसानों और ग्रामीणों को अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

मंत्री बलदेव सिंह औलख ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान पूरी पारदर्शिता और त्वरित गति से किया जाए स्वास्थ्य मेले में मंत्री जी द्वारा किसानों को बीज किट व आवास योजना के लाभार्थियों को आवास चाबी प्रदान की, बाल सेवा योजना के लाभार्थियों, टूल किट वितरण, दिव्यांगजन विभाग से चयनित लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र, सेवायोजन कार्यायल द्वारा रोजगार मेले में चयनित लाभार्थी को नियुक्ति पत्र वितरित किए। मंत्री बलदेव सिंह औलख द्वारा बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से गर्भवती महिलाओं की गोद भराई रस्म की गई। स्टालों का भ्रमण कर जानकारी प्राप्त की गई।

जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, आयुष्मान कार्ड, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं वह अपने नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जनसेवा केन्द्र के माध्यम से अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस योजना के अन्तर्गत अनाथ व पात्र बच्चों को सरकार द्वारा पच्चीस सौ रूपये प्रति बच्चा (मासिक) प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनपद के बेरोजगार युवक/युवतियां मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत अपना कार्य करने हेतु। पांच लाख तक ब्याज मुक्त ऋण लेकर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। आयोजित चैपाल में जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, ब्लॉक प्रमुख अमरिया निशान सिंह, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्रा, मुख्य चिकित्साधिकारी भुवन चन्द्र पंत, जिला विकास अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, जिला उपाध्यक्ष मान सिंह राठौर मण्डल अध्यक्ष प्रमोद कश्यपअल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष सतनाम सिंह सर्वजीत सिंह उर्फ चव्वा महेंद्र गंगवार ग्राम प्रधान परमिन्दर सिंह सहित अन्य अधिकारीगण व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे

फरीदपुर में मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर जन-कल्याण का महाअभियान

एक पेड़ माँ के नाम एवं स्वास्थ्य मेले में उमड़ी जनता

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विकास खण्ड फरीदपुर में रविवार को जन-कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ब्लॉक परिसर स्थित पार्क में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण से हुई।भाजपा जिलाध्यक्ष (आंवला) आदेश प्रताप सिंह एवं विधान परिषद सदस्य कुँवर महाराज सिंह ने आम के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया। मेले में बेसिक शिक्षा, कृषि, उद्यान, पशुपालन समेत कई विभागों ने स्टॉल लगाकर लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से नि:शुल्क जांच एवं दवा वितरण किया गया।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सोनम ग्वाल, उपाध्यक्ष ओमवीर सिंह, मंडलाध्यक्ष धर्मेंद्र तोमर, सोमदत्त पाल, प्रतुल अग्रवाल, उपजिलाधिकारी फरीदपुर रामजनम यादव, खण्ड विकास अधिकारी जितेन्द्र कुमार सहित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।मेले में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने योजनाओं का लाभ लिया। अधिकारियों ने जनसमस्याएं सुनकर उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

लैंड पूलिंग योजना में संपत्तियों का सर्वे होने के बाद मिलेगा मुआवजा और भूखंड

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। सीबीगंज में 522 हेक्टेयर पर आकार ले रही लैंड पूलिंग योजना को आवास एवं विकास परिषद ने रफ्तार दे दी है। चार प्रमुख सेक्टरों का संशोधित ले-आउट शासन को भेजने के बाद अब जमीनी स्तर पर परिसंपत्तियों की जांच का काम शुरू होने जा रहा है। इसके तहत योजना क्षेत्र में आने वाले किसानों के निर्माण कार्यों का आकलन कर मुआवजा बांटा जाएगा, जिसके तुरंत बाद ही भूखंडों का आवंटन शुरू हो जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक आवास विकास परिषद ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत सड़कों के निर्माण के लिए धरातल पर चिन्हांकन का कार्य भी प्रारंभ कर दिया है। अधिशासी अभियंता राजेंद्रनाथ राम के मुताबिक, जिन काश्तकारों ने योजना के लिए अपनी अग्रिम सहमति प्रदान की है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर प्लॉट आवंटित किए जाएंगे। विभाग अब तक तीन सौ से ज्यादा किसानों के लिए भूखंडों की श्रेणी का निर्धारण कर चुका है। योजना की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवास विकास परिषद तीन विशिष्ट सेक्टरों की फिजिबिलिटी रिपोर्ट भी तैयार कर रहा है, ताकि किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण की स्थिति स्पष्ट हो सके। इधर, परिषद ने बीते सप्ताह ही सेक्टर पांच, छह और सात का संशोधित ले-आउट शासन को प्रेषित किया था, जिसके पास होते ही विकास कार्य पूरी गति पकड़ लेंगे। आवास आयुक्त ने रद्द किया था पुराना ले-आउट पिछले दिनों सेक्टर चार, पांच, छह और सात के नियोजन में गड़बड़ी सामने आई थी, जहां 200 से अधिक किसानों की सहमति से प्राप्त 67 एकड़ से अधिक भूमि पर भूखंड सृजित किए जाने थे। वर्चुअल बैठक के दौरान खुलासा हुआ था कि सेक्टर चार और पांच में 80 फीसदी से अधिक भूखंड किसानों को देने के बजाय ग्रुप हाउसिंग, कमर्शियल स्कूल, अपार्टमेंट के लिए आरक्षित कर दिए गए थे। इस मनमानी के कारण अपनी कीमती जमीन देने वाले मूल किसानों के सामने खुद के ही भूखंड आवंटन का बड़ा संकट खड़ा हो गया था। पता चलने पर आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने पुराने ले आउट को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर नए बनाने के निर्देश दिए थे।

कोतवाली पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / पॉक्सो एक्ट समेत गंभीर धाराओं में वांछित था आरोपी, कोर्ट भेजा गया बरेली। थाना कोतवाली पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और अवैध संबंध बनाने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद से उसकी तलाश की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक पीड़िता की मां की तहरीर पर थाना कोतवाली में आरोपी के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी को पुराने रोडवेज बस अड्डे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी पीड़िता से जान-पहचान हो गई थी और वह उसे अपने साथ ले गया था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शिवम गौतम सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

देर रात्रि अलखनाथ मंदिर में मिली नाबालिग : मददगार बनी सपना द्विवेदी

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। देर रात करीब एक बजे अलखनाथ मंदिर परिसर में एक नाबालिग लड़की अकेली बैठी रो रही थी। पुजारी की नजर पड़ने पर उन्होंने अधिकार मित्र सपना द्विवेदी को सूचना दी। मौके पर पहुंची सपना द्विवेदी ने बच्ची से बातचीत कर मामले की जानकारी ली और तत्काल किला पुलिस को अवगत कराया। पूछताछ में पता चला कि घरेलू विवाद से परेशान होकर बच्ची बिना बताए घर से निकल आई थी। देर रात होने के कारण अधिकार मित्र सपना द्विवेदी ने उसे सुरक्षित अपने घर पर ले आईं, रविवार को थाने में एस आई प्रियंका खरे , एवं आरक्षी अनीता की मौजूदगी में परिजनों को आवश्यक कार्रवाई के बाद बच्ची को सुरक्षित परिवार के सुपुर्द कर दिया गया ।

समाजसेवी दिनेश चंद्र शर्मा की तृतीय पुण्यतिथि पर विभिन्न समाजसेवा के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ जनपद बदायूं में गौरव क्लब, पं दिनेश चंद्र शर्मा स्मृति सेवा समिति एवं बदायूं गौरव महोत्सव समिति द्वारा बदायूं गौरव क्लब के संस्थापक एवं वरिष्ठ समाजसेवी दिनेश चंद्र शर्मा की तृतीय पुण्यतिथि पर विभिन्न समाजसेवा के कार्यक्रमों का आयोजन कर समाजसेवी दिनेश चंद्र शर्मा को श्रदांजलि दी गयी ।सर्वप्रथम अपने आवास पर भाजपा नेता अमन मयंक शर्मा एवं गौरव पाठक ने वेदपाठी ब्राह्मणो को वस्त्र वितरित किये ।दिनेश चंद्र शर्मा स्मृति सेवा समिति एवं बदायूं गौरव क्लब के मुख्य सचिव भाजपा नेता अमन मयंक शर्मा एवं सहसचिव गौरव पाठक ने बताया कि बदायूं गौरव क्लब के संरक्षक जनपद के वरिष्ठ समाजसेवी रहे स्व0 दिनेश चंद्र शर्मा की तृतीय पुण्यतिथि के उपलक्ष्य मे बदायूं गौरव क्लब संस्था एवं दिनेश चंद्र शर्मा स्मृति सेवा समिति द्वारा वेदपाठी ब्राह्मणो एवं निर्धनों को वस्त्र वितरित किये गये ।इसके उपरान्त टिकटगंज कोठी वाला मंदिर के निकट सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक शरबत एवं अल्पाहार का वितरण किया गया ।इसके उपरान्त दातागंज रोड स्थित गुरुकुल में बदायूं गौरव क्लब एवं सेवा समिति के पदाधिकारियों द्वारा अध्यनरत छात्रों को पाठय सामग्री वितरित की गयी ।दातागंज रोड स्थित गुरुकुल में बेलपत्र, शमीपत्र,तुलसी, पीपल

एवं बरगद के पांच पौधों का पौधारोपण किया गया ।इसके उपरान्त दातागंज रोड स्थित ब्रह्मदत्त गौशाला में गौ माता को गुड एवं चारा खिलाकर गौसेवा की गयी।

सूरजकुंड में मछलियों को दाना खिलाया गया ।इसके उपरांत दिनेश चंद्र शर्मा स्मृति सेवा समिति द्वारा जिला अस्पताल में मरीजो को फल वितरित किये गये ।बदायूं गौरव क्लब के मुख्य सचिव भाजपा नेता पं अमन मयंक शर्मा ने कहा कि समाजसेवा सबसे बड़ा धर्म है ।उन्होंने कहा कि अपने जीवन काल में लगातार समाज की सेवा करने वाले समाजसेवी दिनेश चंद्र शर्मा की स्मृति मे समाजसेवा के कार्य लगातार किये जाएंगे ।सहसचिव गौरव पाठक ने कहा कि दिनेश चंद्र शर्मा द्वारा आजीवन समाज सेवा के कार्य किये गये हैं ।उनका जीवन युवाओं के किये अत्यंत प्रेरणादायी है।

बदायूं गौरव क्लब की महिला अध्यक्ष गीता शर्मा ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ी सेवा है।

सभी लोगो को समाज की सेवा अवश्य करनी चाहिए ।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दिनेश चंद्र शर्मा के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उनको श्रदांजलि दी इस मौके पर भाजपा नेता अमन मयंक शर्मा ,गौरव पाठक ,गीता शर्मा ,अंजलि मिश्रा ,चर्चा पाठक ,प्रज्ञा अमन मयंक पाठक ,नियति मिश्रा ,काव्या पाठक सहित क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्यों सहित समाज के सैकड़ों प्रबुद्द नागरिक उपस्थित रहे।

भोजीपुरा में उमड़ा जनसैलाब दानवीर भामाशाह की जयंती पर सांसद और भाजपा जिलाध्यक्ष ने गिनाईं सरकार की नीतियां

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली ।क्षेत्र के दिव्य कृपाल सत्संग भवन सभागार में रविवार को दानवीर शिरोमणि भामाशाह की जयंती अत्यंत भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के शोध प्रमुख और कार्यक्रम के मुख्य आयोजक शिवमंगल सिंह राठौर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भोजीपुरा और आसपास के क्षेत्रों से दस हजार से अधिक लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। पूरा सभागार और प्रांगण राष्ट्रभक्ति और जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम के बाद सभी आगंतुकों के लिए भोज (महाप्रसाद) का आयोजन किया गया, जहां हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

नीतियों और राष्ट्र निर्माण को भामाशाह के त्याग से जोड़ा- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नवनिर्वाचित सांसद छत्रपाल गंगवार और भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, प्रशांत पटेल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि सांसद छत्रपाल गंगवार ने कहा कि दानवीर भामाशाह का त्याग और राष्ट्रभक्ति इतिहास में अमर है। उन्होंने देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ दान कर दिया था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार भी भामाशाह के आदर्शों पर चलते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए काम कर रही है। मुख्य आयोजक शिवमंगल सिंह राठौर ने अपने संबोधन में पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंत्योदय और सेवा ही संगठन का मूल मंत्र है। उन्होंने युवाओं से कहा सनातन के रक्षक त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति दानवीर भामाशाह के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि सांसद छत्रपाल गंगवार, भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, अभय चौहान, राहुल साहू, पूरनलाल लोधी, आरएस पाल, प्रशांत पटेल, ममता गंगवार, जिला कोषाध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता और मंडल अध्यक्ष वेदप्रकाश पटेल का आयोजक मंडल द्वारा भव्य स्वागत किया गया। सभी अतिथियों को अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न और मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया।

इस भव्य कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षक वेदप्रकाश पटेल ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजीव उर्फ लवकुश साहू, रमेश वर्मा ब्रजेश कुमार मौर्य, राहुल साहू,सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने दिन-रात एक कर दिया। दस हजार से अधिक की अप्रत्याशित भीड़ के बावजूद भोजन व्यवस्था और कार्यक्रम का प्रबंधन बेहद अनुशासित और सराहनीय रहा, जिसकी क्षेत्र में खासी चर्चा है।

संक्षिप्त समाचार

लखीमपुर खीरी में सर्प मित्र नजरून निशा को सांप ने काटा, रेस्क्यू के दौरान हुई घटना

पलिया रेंज के अजीत नगर में परचून की दुकान के अंदर सांप को देखकर लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर दुधवा की मोटीवेटर नजरून निशा ने रैट स्नेक (धामन सांप) का रेस्क्यू कर लिया। इस दौरान

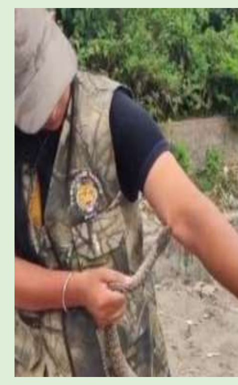

सांप ने उनको काट लिया। इसके बाद वह खुद ही सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) पहुंचीं और उपचार कराया ।लखीमपुर खीरी के पलियाकलां में लोगों को सर्पदंश से बचाने और सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू करने वाली सर्प मित्र नजरून निशा रविवार को खुद रेस्क्यू के दौरान सर्पदंश का शिकार हो गईं। पलिया रेंज के अजीत नगर स्थित एक परचून की दुकान में घुसे करीब छह फुट लंबे रैट स्नेक (धामन सांप) को पकड़ने के दौरान सांप ने उन्हें काट लिया ।दरअसल, दुकान में सांप होने की सूचना मिलने पर दुधवा की मोटीवेटर नजरून निशा सांप का रेस्क्यू करने पहुंची थीं। इसी दौरान रैट स्नेक ने उनके हाथ पर काट लिया। इसके बाद भी उन्होंने रेस्क्यू पूरा किया और सांप को सुरक्षित पकड़ लिया। बाद में वह स्वयं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचीं। रेस्क्यू टीम ने सांप को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया ।गैर-विषैला सांप होता है रैट स्नेक

नजरून निशा ने बताया कि रैट स्नेक गैर-विषैला सांप होता है और इसमें जहर नहीं होता। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी सांप के काटने पर झाड़-फूंक के बजाय तुरंत अस्पताल जाकर चिकित्सकीय उपचार कराएं। सर्पदंश के बाद समय पर उचित उपचार मिलने से पीड़ित की जान बचाई जा सकती है। नजरून निशा अब तक 100 से ज्यादा सांप और 10 मगरमच्छ का रेस्क्यू कर चुकी हैं। 22 वर्षीय नजरून निशा दुधवा फाउंडेशन की सबसे निडर रेस्क्यू गर्ल के रूप में जानी जाती हैं। पलिया क्षेत्र में लोग उन्हें जंगल क्वीन, रेक्स्यू गर्ल व सर्प मित्र भी कहते हैं। नजरून पलिया की रहने वाली हैं। उनके पिता मैकेनिक हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

विश्व रक्तदाता दिवस पर जिला अस्पताल उरई में रक्तदान शिविर, 09 रक्तदाताओं का सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच/नीरज कुमार/ उरई। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल उरई में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना रहा। इस अवसर पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान जैसे महादान में सहभागी बनने की अपील की। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। एक यूनिट रक्त किसी गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को नया जीवन देने का माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करना चाहिए, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने रक्तदाताओं की सराहना करते हुए समाज के अन्य वर्गों से भी इस पुनीत कार्य में आगे आने का आह्वान किया।

पुलिस अधीक्षक विनय कुमार

सिंह ने कहा कि रक्तदान न केवल सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है, बल्कि यह मानव जीवन की रक्षा का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे आगे आकर रक्तदान अभियान से जुड़ें और अपने परिवार व मित्रों को भी प्रेरित करें, ताकि रक्त की कमी से किसी की जान न जाए।

इस अवसर पर कुल 09 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके इस सराहनीय योगदान की प्रशंसा की तथा भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यों में निरंतर सहभागिता बनाए रखने का आग्रह किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित रक्तदान से न केवल जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिलता है, बल्कि रक्तदाता के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है और इससे शरीर में नए रक्त कणों का निर्माण भी होता है।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जेजे राम, चिकित्सकगण, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर के सफल आयोजन से समाज में सकारात्मक संदेश गया और लोगों में रक्तदान के प्रति उत्साह देखने को मिला।

डीएम व एसएसपी ने कछला गंगा घाट का निरीक्षण किया

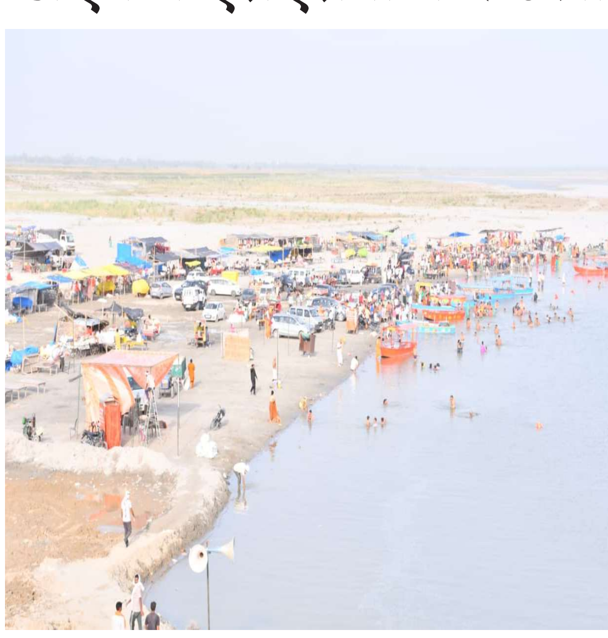

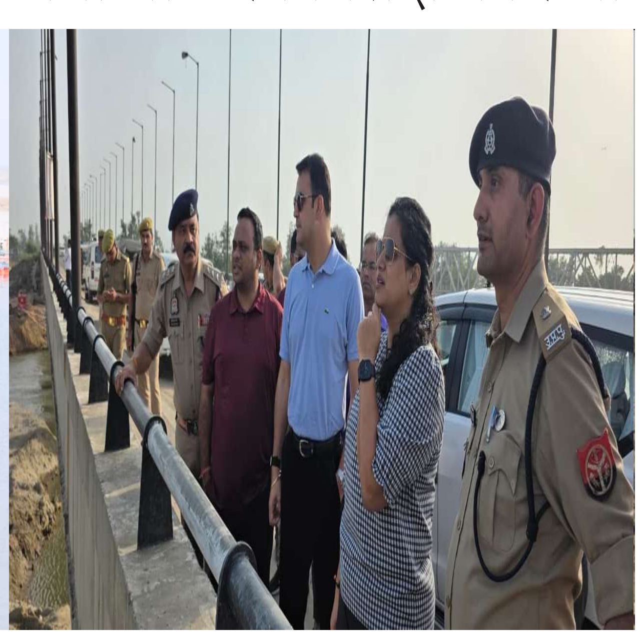

क्यूँ न लिखूँ सच/ आज जनपद बदायूं में जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय एवं एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा सोमवती अमावस्या पर्व के दृष्टिगत कछला गंगा घाट का भ्रमण निरीक्षण किया गया

तथा श्रद्धालुओं की सुविधा,सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया

एवं निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया गया कि गंगा घाट पर महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा कानून व्यवस्था के दृष्टिगत सतर्क दृष्टि रखी जाये व श्रद्धालुओं को स्नान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन, पार्किंग/यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये ।

इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक कुमार सिंह, एसडीएम सदर श्री मोहित कुमार, क्षेत्राधिकारी उझानी श्री सुनील कुमार सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक उझानी श्री प्रवीण कुमार व अन्य अधि0/कर्म0 गण मौजूद रहे।

सिपाही सुरकेश शर्मा समेत 12 आरोपियों की खुली हिस्ट्रीशीट, एसएसपी ने दिए निगरानी के निर्देश

बरेली में पुलिस ने अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 12 शातिर आरोपियों की क्लास (बी) हिस्ट्रीशीट खोली है। इन आरोपियों पर हत्या, डकैती, गौकशी और रंगदारी जैसे गंभीर आरोप हैं ।बरेली के चर्चित सिपाही सुरकेश शर्मा और 11 अन्य लोगों की हिस्ट्री शीट खोल दी गई है। इन सभी के खिलाफ जिले के अलग-अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं और हत्या लूट डकैती जैसे अपराध में संलिप्त हैं। सुरकेश शर्मा मूल रूप से भमोरा थाने के लंगूरा गांव का निवासी है और दूसरे जिले में तैनात रहा है। उसके खिलाफ भी बरेली समेत दूसरे जिलों में 17 मुकदमे दर्ज हैं ।जनपद के विभिन्न थानों में ये हिस्ट्रीशीट खोली गई हैं। थाना भमोरा और देवरनिया में चार-चार अपराधियों की हिस्ट्रीशीट दर्ज हुई। थाना किला में दो, जबकि सीबीगंज और अलीगंज में एक-एक अपराधी की हिस्ट्रीशीट खोली गई। अपराध की प्रकृति के अनुसार, सात हिस्ट्रीशीट गौकशी से संबंधित हैं। दो हिस्ट्रीशीट वाहन चोरी या चोरी के मामलों से जुड़ी हैं। एक हिस्ट्रीशीट हत्या, गौकशी और हत्या के प्रयास के लिए है। डकैती और रंगदारी/हत्या के प्रयास के लिए भी एक-एक हिस्ट्रीशीट खोली गई है ।हिस्ट्रीशीटरों पर निगरानी- एसएसपी अनुराग आर्य ने संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं। उन्हें इन हिस्ट्रीशीटरों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने को कहा गया है। उनकी आपराधिक प्रवृत्तियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। एसएसपी ने कहा कि पुलिस जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

हाथ-पैर चला छटपटाई, 90 सेकंड में ही रुक गईं सांसें; पति को छोड़ प्रेमी के साथ जाने वाली युवती का कत्ल

फतेहपुर के हसवा में पति को छोड़कर दूसरे समुदाय के प्रेमी संग रहने की जिद पर अड़ी युवती की गला घोटकर शुक्रवार को उसके भाई ने हत्या कर दी। शव को कुएं में फेंका और रात भर जंगल में रहा। सुबह पुलिस के पास जाकर अपराध कबूल कर लिया। फतेहपुर के हसवा में पति को छोड़कर दूसरे समुदाय के प्रेमी संग रहने की जिद पर अड़ी युवती की हत्या में आरोपी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी भाई ने बताया कि वह बहन को समझाने से थक गया था। रास्ते में अचानक गुस्से में उसने जोर से चिल्लाया और उसका गला दबाकर खेत में गिरा दिया। जान बचाने के लिए वह हाथ-पैर चलाकर छटपटाती रही लेकिन करीब डेढ़ मिनट बाद उसकी सांसें थम गईं।युवती को प्रेमजाल में फंसाकर ब्रेनवॉश करने का आरोप- परिजन के अनुसार करीब तीन साल से युवती का गांव के एक विशेष समुदाय के युवक से प्रेम संबंध था। पिता शिव सिंह यादव ने बताया कि घर मुख्य मार्ग पर होने के कारण युवक का आना-जाना था। इसी दौरान उसने बेटी से संपर्क बढ़ाया और बाद में फोन पर बातचीत शुरू हो गई। परिवार का आरोप है कि धीरे-धीरे उसका ब्रेनवॉश कर दिया गया। इससे वह परिवार की बात मानने को तैयार नहीं थी। बाद में उसकी शादी कर दी गई थी लेकिन स्थिति नहीं बदली।बेटे से फोन पर नहीं हुआ संपर्क पिता ने बताया कि घटना से पहले रात में बेटे से कई-बार फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उसका फोन बंद आ रहा था। रिश्तेदारों और आसपास गांव में भी तलाश की गई। इसके बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली। सुबह ग्रामीणों से घटना की जानकारी मिली। युवती की जान खतरे में होने की प्रेमी ने की थी शिकायत- परिजन का आरोप है कि तीन दिन पहले युवती के प्रेमी ने पुलिस चौकी में उसकी जान को खतरे की शिकायत दी थी। पिता शिव सिंह यादव ने बताया कि इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। हालांकि चौकी प्रभारी अरुण मौर्या ने कहा है कि उनके पास ऐसा कोई शिकायती पत्र नहीं आया है। पिता को सांत्वना बंधाते हसवा चौकी प्रभारी।पति को छोड़ गैर समुदाय के प्रेमी संग रहने की जिद पर अड़ी युवती को भाई ने मार डाला, शव कुएं में फेंका- फतेहपुर के हसवा में पति को छोड़कर दूसरे समुदाय के प्रेमी संग रहने की जिद पर अड़ी युवती की गला घोटकर शुक्रवार को उसके भाई ने हत्या कर दी। शव को कुएं में फेंका और रात भर जंगल में रहा। सुबह पुलिस के पास जाकर अपराध कबूल कर लिया। पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थरियांव के हसवा कस्बा निवासी शिव सिंह यादव की पुत्री मंजू उर्फ रंजू (19) की शादी एक मई को राधानगर थाना इलाके के सोनहीं बड़नपुर निवासी पिंटू के साथ हुई थी। परिजन ने बताया कि शादी के बाद वह चौथी पर मायके आई थी। 13 मई की रात वह गांव के ही दूसरे समुदाय के प्रेमी के साथ चली गई। इसकी सूचना पुलिस को दी थी। 16 मई को परिजन उसे खोजकर घर ले आए। ससुराल पक्ष को इसका पता चलने पर पंचायत हुई। समझौते के बाद युवती की विदाई कर दी गई लेकिन ससुराल में भी वह प्रेमी से बात करती रही। इसकी जानकारी अहमदाबाद में काम करने वाले भाई संदीप को हुई तो वह 10 जून को बहन की ससुराल पहुंचा। दो दिन तक वहीं रहकर बहन को समझाता रहा लेकिन वह प्रेमी संग रहने की जिद पर अड़ी रही। शुक्रवार देर शाम संदीप ने बहन को विदा कराया। उसे लेकर बिलंदा पहुंचा। दोनों पैदल गांव की ओर चल दिए। हसवा कस्बा स्थित गुड्डू सिंह के खेत के पास संदीप ने बहन का गला घोट दिया। पांच माह पहले वारदात से दहला था हसवा- थरियांव थाने के हसवा कस्बे के चौधराना मोहल्ले में 16 जनवरी को प्रेम संबंध के चलते हुए दोहरे हत्याकांड की घटना की यादें एक बार फिर ताजा हो गई हैं। चौधराना मोहल्ला निवासी दिलदार कुरैशी ने अपनी सगी भाभी जिकरा और दोस्त फैजान की चापड़ व चाकू से हत्या कर दी थी। वारदात के बाद वह पुलिस चौकी पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया था। हमले के दौरान बहन पर भी चाकू से हमला किया गया था। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में अवैध संबंधों को लेकर हत्या की बात स्वीकार की थी। अब एक बार फिर हसवा क्षेत्र में भाई द्वारा बहन की हत्या की घटना सामने आने से लोग उस पुराने हत्याकांड को याद कर रहे हैं। पांच माह के भीतर रिश्तों के कत्ल की दूसरी बड़ी वारदात से क्षेत्र में दहशत स्तब्धता का माहौल है। घटना वाले परिवार में संदीप बड़ा भाई है और उससे छोटे दो भाई व दो बहनें हैं।

नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण वातावरण में प्रवक्ता राजकीय इंटर कॉलेज (प्रारंभिक) परीक्षा सकुशल संपन्न

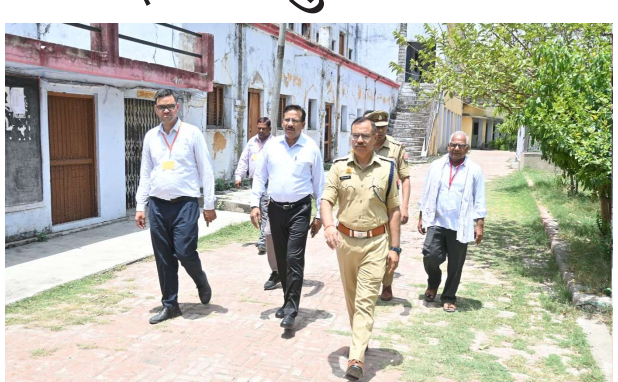

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/ जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा प्रवक्ता (पुरुष/महिला) राजकीय इंटर कॉलेज (प्रारंभिक) परीक्षा जनपद जालौन के 06 परीक्षा केंद्रों पर नकलविहीन, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सकुशल संपन्न हुई। परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों, सेक्टर मजिस्ट्रेटों तथा ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की प्रवेश व्यवस्था, पहचान सत्यापन, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा प्रबंध एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक प्रतियोगी परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा प्रक्रिया के प्रत्येक चरण पर सतर्क निगरानी बनाए रखें। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद रखा गया है। जनपद के 06 परीक्षा केंद्रों पर कुल 2332 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनके सापेक्ष 870 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। परीक्षा पूरे जनपद में शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न हुई।

अयोध्या में राम मंदिर दान चोरी के सवाल पर प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव बोले- राम राम राम

केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रविवार को जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के जल शक्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से अयोध्या स्थित राममंदिर में दान राशि चोरी के मामले पर अमर उजाला ने सरकार का पक्ष जानना उनसे चाहा तो उन्होंने हल्की मुस्कान के साथ केवल राम.राम.राम कहा और कोई टिप्पणी नहीं की।केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रविवार को जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के जल शक्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से अयोध्या स्थित राममंदिर में दान राशि चोरी के मामले पर अमर उजाला ने सरकार का पक्ष जानना उनसे चाहा तो उन्होंने हल्की मुस्कान के साथ केवल राम.राम.राम कहा और कोई टिप्पणी नहीं कीसर्किट हाउस सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक (उज्जैन) और केदारनाथ पुन विकास परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं ने देश की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नई मजबूती प्रदान की है। उन्होंने यह भी कहा कि विदेशों में पहुंच चुकी भारतीय सांस्कृतिक धरोहरों और मूर्तियों को वापस देश लाने का महत्वपूर्ण कार्य केंद्र सरकार ने किया है। राममंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय था और लगभग पांच शताब्दियों से प्रतीक्षित यह सपना प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में साकार हो सका।दाऊद इब्राहिम के सवाल पर साध ली चुप्पी ने मुंबई बम विस्फोटों के मुख्य आरोपी और भगोड़े अपराधी दाऊद इब्राहिम को भारत लाने के मुद्दे पर भी पूछा गया कि भाजपा ने केंद्र में सत्ता में आने के बाद दाऊद को भारत लाने की बात कही थी, लेकिन 12 वर्ष बीत जाने के बाद भी वह देश की गिरफ्त में नहीं आ सका है। परिस्थितियों में तत्कालीन कांग्रेस सरकार प्रभावी कार्रवाई करने में असफल रही थी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक तथा आतंकवाद विरोधी अभियानों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने दुश्मनों को उनकी ही भाषा में जवाब देने का काम किया है।

अखिलेश यादव का हाल ममता बनर्जी से भी बुरा होगा, शाहजहांपुर में बोले प्रभारी मंत्री नरेंद्र कश्यप

शाहजहांपुर के प्रभारी मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव का हाल ममता बनर्जी से भी बुरा होगा। उन्होंने सपा-कांग्रेस गठबंधन पर भी तंज कसा। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मंत्री व शाहजहांपुर जिले के प्रभारी जोड़ी सामने आई थी। परिणाम सबके सामने है। कांग्रेस का एक राहुल गांधी की तरह अखिलेश यादव का हाल होना है। ममता बनर्जी में सरकार की योजनाओं को गिनाने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते को भूल गया है। जिस प्रदेश में विपक्ष हुआ करता था, वहां प्रधानमंत्री सत्ता से दूर रहना उनकी अपनी जिम्मेदारी से दूर रहना है। लगातार है।कॉकरोच जनता पार्टी पर कसा तंज -मंत्री ने कॉकरोच जनता पार्टी के है। लोकतंत्र है, सभी को आनंद लेने का हक है। कहा कि उत्तर प्रदेश में इसलिए यहां की जनता को योगी आदित्यनाथ और भाजपा के अलावा सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में फर्जी एनकाउंटर की करे, बहन-बेटी पर हमला करे तो पुलिस को अपना काम करना

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि पिछले चुनावों में भी दो लड़कों की विधायक जीता और सपा अपने अस्तित्व को बमुश्किल बचा पाई। से बुरा अखिलेश यादव का हाल होगारविवार को गन्ना शोध परिषद हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष अपनी जिम्मेदारियों नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकारें बन गई हैं। विपक्ष का विपक्ष धराशाई हो रहा है। उसे आत्मचिंतन करने की आवश्यकता सवाल पर तंज कसा कि सुना है कि चींटी पार्टी भी बनने जा रही डबल इंजन की सरकार में तेज गति से विकास कार्य हुए हैं। कुछ नहीं चाहिए।खुटार के हरनाई गांव में फर्जी एनकाउंटर के गुजाइश नहीं रहती है। अपराधी जनता के हित के साथ खिलवाड़ चाहिए। उन्होंने फर्जी एनकाउंटर के सवाल को टाल दिया।

संक्षिप्त समाचार

बड़ा हादसा: चेन पुलिंग पर उदयपुर इंटरसिटी से उतरे यात्री, राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आए; चार लोगों की मौत

मुरैना के पास रविवार को बड़ा हादसा हो गया। उदयपुर इंटरसिटी से उतरे यात्री पास से गुजर रही राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। चार लोगों की मौत हो गई। आगरा मंडल के धौलपुर-हेतरामपुर रेलखंड पर रविवार शाम बड़ा रेल हादसा हो गया। ट्रेन संख्या 19665 उदयपुर सिटी-खुर्दा रोड एक्सप्रेस में चेन पुलिंग होने के बाद कुछ यात्री ट्रेन से नीचे उतर गए। इसी दौरान समानांतर अप लाइन पर गुजर रही ट्रेन संख्या 20424 नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से चार यात्रियों की मौत हो गई।आगरा मंडल रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि शाम करीब 4-33 बजे हेतरामपुर और धौलपुर स्टेशनों के बीच किलोमीटर संख्या 1279/27 पर 19665 डाउन ट्रेन चेन पुलिंग होने के कारण रुक गई। ट्रेन रुकने के बाद कुछ यात्री कोचों से उतरकर अप लाइन पर पहुंच गए। इसी दौरान नई दिल्ली से डिब्रूगढ़ जा रही 20424 राजधानी एक्सप्रेस वहां से गुजर रही थी, जिसकी चपेट में चार यात्री आ गए।हादसे में तीन महिलाएं और एक बच्ची की मौत हुई है। मृतकों में अफरीन (32 वर्ष) और अजहर (8 वर्ष) की पहचान हो चुकी है। दोनों की पहचान परिजन नदीम ने की है, जबकि अन्य मृतकों की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं।घटना के बाद अप, डाउन और तीसरी लाइन की ओएचई आपूर्ति बंद कर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। आगरा और झांसी से दुर्घटना राहत चिकित्सा यान (एआरएमवी) रवाना किए गए। घटना के बाद रेल यातायात कुछ समय प्रभावित रहा। रेलवे ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

किराया संबंधित विवाद की सुनवाई का अधिकार सिर्फ किराया प्राधिकरण के पास

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश किराया विनियमन अधिनियम लागू होने के बाद मकान मालिक और किरायेदार के बीच किराया संबंधी विवादों की सुनवाई का अधिकार सिर्फ किराया प्राधिकरण (रेंट अथॉरिटी) के पास है इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश किराया विनियमन अधिनियम लागू होने के बाद मकान मालिक और किरायेदार के बीच किराया संबंधी विवादों की सुनवाई का अधिकार सिर्फ किराया प्राधिकरण (रेंट अथॉरिटी) के पास है। ऐसे मामलों में सिविल कोर्ट के समक्ष दायर वाद पोषणीय नहीं होंगे।यह आदेश न्यायमूर्ति डॉ.योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव की एकल पीठ ने श्रीराम व अन्य की पुनरीक्षण याचिका स्वीकार पर दिया। मामले में मकान मालिक शिवसेवक शर्मा ने हाथरस के जिला जज की अदालत में बढ़े किराये की मांग को लेकर वाद दायर किया था। इसके विरुद्ध किरायेदारों ने सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत आवेदन देकर कहा कि उत्तर प्रदेश किराया विनियमन अधिनियम के अनुसार सिविल कोर्ट को ऐसे विवादों की सुनवाई का अधिकार नहीं है। इसलिए वाद खारिज किया जाए।हालांकि, जिला जज की अदालत ने 19 मार्च 2026 को यह आवेदन खारिज कर दिया था, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। कोर्ट ने कहा कि वादी स्वयं स्वीकार कर चुका है कि संबंधित संपत्ति पर उत्तर प्रदेश किराया विनियमन अधिनियम लागू होता है। दोनों पक्षों के बीच मकान मालिक और किरायेदार का संबंध भी निर्विवाद है। ऐसे में विवाद के निस्तारण का अधिकार केवल रेंट अथॉरिटी को है।कोर्ट ने कहा कि वादपत्र की जांच करते समय केवल वादी के कथनों को देखा जाता है। यदि मकान मालिक-किरायेदार संबंध स्वीकार है तो लिखित किरायानामा न होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। अधिनियम के तहत ऐसे सभी विवादों के लिए अलग व्यवस्था की गई है। सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को समाप्त कर देती है। अदालत ने हाथरस के जिला जज की अदालत 19 मार्च 2026 का आदेश निरस्त करते हुए किरायेदारों की अर्जी स्वीकार कर ली। साथ ही कहा कि वादी अपनी शिकायत किराया प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है, जहां कानून के अनुसार नए सिरे से मामले पर विचार कर निर्धारित अवधि में उसका निस्तारण किया जाएगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

There are more varieties of rotis in India than there are states! Find out which region has the most unique taste.

In this article, we'll tell you about some of the most special and unique rotis from different regions of India. India has more varieties of rotis than states. From Kashmir to South India, each region has its own special roti—sheermal, baati, thepla, appam: a fusion of regional tastes and health. Did you realize that India has more varieties of rotis than the total number of states? Yes, it's absolutely true. When it comes to food, India's diversity is unmatched. In this article, let's tell you about the unique rotis from different regions, which are both delicious and beneficial for health. Kashmir and Ladakh: First, let's talk about Kashmir and Ladakh. The breads found in these regions, like sheermal, khamir, roth, and bakarkhani, are so delicious that every bite will make you feel like you're in heaven. Himachal Pradesh: Speaking of the mountainous state of Himachal Pradesh, the famous Beduan roti has a unique flavor and texture that will surely touch your heart. The Spicy Flavors of North India: Punjab, Haryana, Delhi, and Uttar Pradesh: The mention of these states evokes a savory taste. Breads like bhatura, kulcha, rumali roti, missi roti, kachori, and naan are simply irresistible. Their flavors are truly irresistible. The wonderful combo of wheat, chickpea flour, and sweetness is truly undeniable. Rajasthan and Bihar: Rajasthan's world-famous baati and Bihar's famous litti are exceptional. These are exceptional breads made from wheat and chickpea flour. The true joy of both these dishes is further enhanced when eaten with great relish, accompanied by generous amounts of ghee and chokha. Gujarat and Maharashtra: Gujarat is known for its Thepla and Rotla, which are extremely popular there. Additionally, Puran Poli is a dish enjoyed in both Gujarat and Maharashtra. Unique Breads from Bengal to Northeast India: Bengal and Meghalaya: Moving east, Bengal's famous Luchi and Meghalaya's Putharo have their own distinct flavors and textures. Arunachal Pradesh: Arunachal Pradesh, another state in the Northeast, boasts a unique dish called Khura. This rice flour dish is considered a signature dish throughout the region. Famous Flavors of South India: Kerala and Karnataka: This delicious journey is incomplete without mentioning South India. Kerala's Appam and Karnataka's Akki Roti are among the most famous and well-known breads in South India. South Indian Parotta: Parotta is also a popular choice throughout South India. It's interesting to note that it differs markedly from the typical North Indian "paratha." It's universally known for its distinctive flaky texture and unique flavor. These breads are a wonderful example of India's amazing diversity and richness.

A deficiency of these 4 vitamins in the body can increase the risk of dementia. Be careful today.

According to a new study, a deficiency of vitamins D, B2, B6, and B12 in the body significantly increases the risk of dementia. A study conducted on 556 people in Telangana revealed surprising results. Women and rural areas are at higher risk of dementia. We all know how important vitamins are for good health, but did you know that a deficiency can lead to not only physical but also mental illnesses? Yes, a new study has revealed that a deficiency of certain vitamins in the body can significantly increase the risk of dementia. Let's understand in simple terms what this new study reveals. What does this new study say? A recent study published in the medical journal "Lancet Regional Health Southeast Asia" has presented shocking figures. This research was conducted on 556 middle-aged and elderly people in Telangana. Researchers found that those at higher risk of dementia were significantly deficient in four vitamins: Vitamin D, B2, B6, and B12. Which individuals were at the highest risk? Of the 556 participants, approximately 39 percent were at risk for dementia. Researchers used several key factors to reach this conclusion, including: age, BMI, physical activity, blood pressure, cholesterol. This research revealed another significant finding: women and people from rural areas were more likely to develop dementia than those living in urban areas. Understand the state of vitamin deficiencies in statistics. When the health of the study participants was examined, these shocking percentages of vitamin deficiencies were revealed: Vitamin B2 deficiency was the highest in 64% of participants. Vitamin D deficiency was found in 42% of participants. 34% of people were deficient in vitamin B6. Meanwhile, 17% were found to be deficient in vitamin B12. What are the effects of dementia? For those who don't know much about dementia, it's a condition in which a person's memory begins to weaken. This causes a significant decline in a person's ability to think and understand. The condition can become so severe that patients face significant difficulties in performing even their normal daily tasks. Researchers clearly believe that a deficiency in these essential vitamins in the body can further increase the risk of dementia. Therefore, maintaining proper vitamin levels in the body is essential for maintaining good mental health.

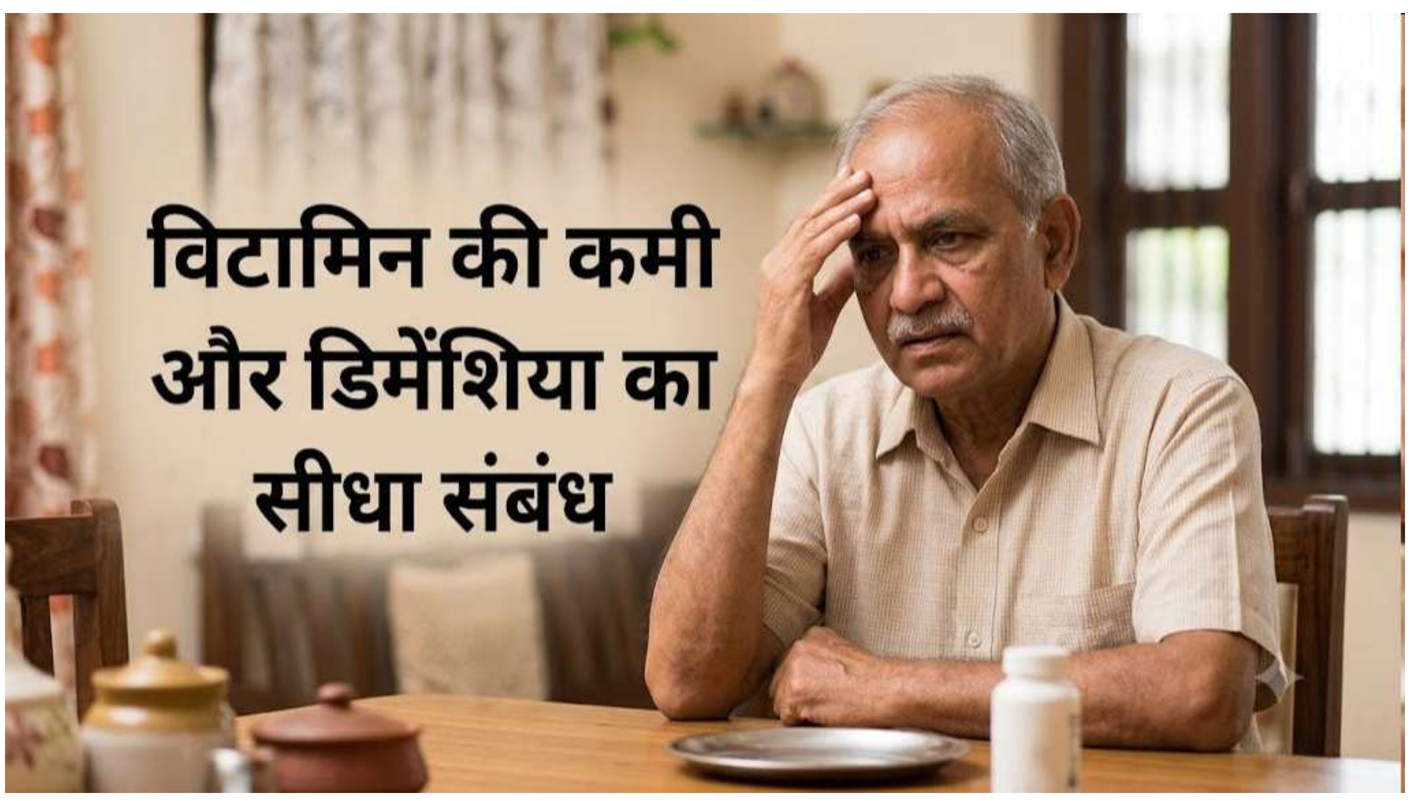

Whether content creators or working individuals... why are people carrying two phones in their pockets these days?

If a single phone can handle everything in our professional and personal lives so easily, why are people carrying not just one, but two smartphones these days? The "two-phone" trend is growing rapidly these days. Not only big business professionals, but ordinary people are also adopting it. People are doing this to better balance their work and personal life. Smartphones have become an integral part of our lives today. From checking office emails in the morning to banking, online shopping, social media, and chatting with family... almost everything can be easily done with a single device. But have you noticed that these days people are carrying not just one, but two smartphones? When one phone can fulfill all your needs, why is this two-phone trend growing so rapidly? Interestingly, this trend is no longer limited to business professionals; students, freelancers, content creators, and ordinary working people are also joining in. Let's understand the main reasons behind this from Arpita Kohli, consultant psychologist at PSRI Hospital in Delhi. Better balance in work and personal life - Nowadays, the distinction between our professional and personal lives has almost disappeared. When the boss's calls, office emails, and family messages all come on the same phone, everything becomes very confusing. In such a situation, having two separate phones is helping people manage their work and personal time separately. Digital work culture and corporate initiatives: A major reason behind this trend is our new 'digital work culture'. With the advent of work from home and hybrid models, many companies are providing their employees with separate phones or SIM cards from the office. This has two major benefits: first, it keeps important company data safe. Second, it gives employees the freedom to conveniently turn off or silence their work phones after work hours. Cybersecurity and Privacy: Privacy and cybersecurity are a major concern in today's world. Given this, many people consider having two phones a smart choice for their safety. They store their banking apps, important documents, and personal data on one phone, while using the other phone solely for social media or browsing the internet. This significantly reduces the risk of hacking, cyberattacks, and data theft. The need for content creators: The growing craze for social media and content creation has also increased the need for two phones. For influencers who create videos or live stream, two phones are extremely useful. They use one phone solely for video shooting and work, while the other is reserved for personal calls. This prevents interruptions in work and increases productivity. Do you need two phones? It's important to know that not everyone needs two phones. One phone is for: If your job doesn't require you to be online 24 hours a day and you live a balanced digital life, one smartphone is sufficient. Two phones are for: For those with a profession or online business that requires constant activity, two phones are a great way to draw a clear line between work and personal life. Mental Peace and Digital Wellbeing - This two-phone trend isn't just a technological hobby or a convenience; it's directly linked to our digital wellbeing. According to experts, when people can disconnect from office calls and notifications during their personal time, their stress is reduced and their quality of life can significantly improve.

You'll have to loosen your purse strings to see this film, with tickets selling for ?3,300!

Indian audiences are enamored with Christopher Nolan's films. This is why the most expensive ticket for his upcoming film sold out in minutes. Indian audiences have shown tremendous craze for "The Odyssey" - Expensive minutes. When will Nolan's "The director Christopher Nolan's upcoming Given the overwhelming response his received at the Indian box office, the this film in India. Advance booking for If you're a fan of Christopher Nolan's you may have to shell out quite a bit. A bookings for IMAX shows of skyrocketed. According to a report in major cities like Mumbai and Pune are late-night shows in Mumbai have the most expensive film in India. Despite extremely excited about "The Odyssey." Day First Show" sold out within minutes. shying away from spending huge film, a new debate has started in other rocketing ticket prices. Christopher seeing the ticket prices of 'The Odyssey', media. One user wrote, "The Odyssey ticket price in India. A ticket in Pune

tickets sold out in Mumbai and Pune within Odyssey" be released in India? Legendary film "The Odyssey" is set to hit theaters soon. previous blockbuster "Oppenheimer" makers have made extensive preparations for "The Odyssey" began in India on June 8th. cinema and want to see this film in theaters, ticket for "The Odyssey" is so expensive. As Christopher Nolan's film began, ticket prices India Today, seats for premiere shows in priced at up to ?3,000. Meanwhile, tickets for reached ?3,300. "The Odyssey" has become the hefty ticket prices, audiences are So much so that tickets for the film's "First While fans in Mumbai and Pune are not amounts of money for Christopher Nolan's cities of the country regarding these sky-Nolan has become a brand in India - after fans are giving different reactions on social has set a new record for the most expensive IMAX alone costs ?3,000. Christopher Nolan has now become a huge brand in India." Another user commented, "The craze for 'The Odyssey' in India is worth seeing. Surprisingly, without any star cast or director, shows sold out within minutes. This is called Christopher Nolan's legacy! The name itself is enough." Another user wrote, "The ticket costs ?3,200, and the most interesting thing is that the entire theater was full within a few hours. This is how you can imagine the craze for Nolan's films in India." What is the story of The Odyssey? -The story of the Trojan War hero, King Odysseus of Ithaca, returns to his kingdom with his soldiers after winning the war. However, it takes them 10 years to reach home, as their arrogance angers the sea god Poseidon and he places numerous obstacles in their path. They face many dangers on their journey home.

Jennifer Winget is getting married for the second time? Who is the future partner of 'Maya' from Beyhadh?

The news of Jennifer Winget's wedding, the face of the serial 'Beyhadh', has sparked a discussion on social media. Is Jennifer Winget getting married for the second time? There is talk of the actress's wedding with Winget get married? According to for a new chapter in her personal life. Singapore businessman William their relationship has recently Ishmael began when fans saw Jennifer and following several wedding-related sparked curiosity among fans, reports and Ishmael have been in a serious discussing their wedding plans. Is Sources say Ishmael proposed to According to reports, "Jennifer and wonderful to see them and their loving preparations are already underway; researching wedding services, and celebration. Although neither on these reports, the news has piqued will they get married? - Sources say wedding ceremony. According to although December-January is also a wedding is expected to be held

businessman Ishmael. When will Jennifer reports, actress Jennifer Winget is preparing According to reports, Winget's wedding with Ishmael is being planned, as speculation about intensified online. The rumors of marriage with Winget commenting on a wedding dance reel social media accounts. While this activity in the Hindustan Times suggest that the actress relationship for some time and are actively Jennifer Winget engaged to William Ishmael? Winget during the holidays, and she accepted. William are very happy together. It's relationship." Insiders also say that wedding Wingate is reportedly shortlisting vendors, creating a detailed mood board for the Wingate nor Ishmael has publicly commented public interest in the actor's personal life. When the couple is considering several dates for their reports, September-October is being discussed, possibility. Close friends will attend - The according to Christian customs, and a venue is currently being sought. Several of Winget's close friends are already aware of these plans, including those in the entertainment industry like Harleen Sethi and Genelia Deshmukh. Winget was previously married to Karan Singh Grover. The two met while working on the TV series "Dil Mil Gaye"; they married in 2012 and separated two years later. Currently, neither Winget nor Ishmael has officially confirmed the wedding news.

Built on old formulas, it will remind you of Govinda and Salman's movies.

Varun Dhawan's "Hai Jawani To Ishq Hona Hai" hits theaters a day after "Peddi." However, this time it's difficult to fall in love with David Dhawan's comedy. Filmmaker David Dhawan, who has been active in Hindi cinema for over "Aankhen," "Sholay Aur Shabnam," Hona Hai" is his 46th film. Access to world expectations. In such a scenario, the To Ishq Hona Hai" presents as humor seem once successfully captivated audiences seems to (Varun Dhawan) and his wife, Bani (Mrunal years. Jas is eager to become a father, but Bani arrives in London, where he meets Preet (Pooja between Jas and Bani, while Bani's perspective Preet arrive at almost the same time to inform misunderstandings, and cover-ups. Bani is still Preet's brother Randhawa (Jimmy Shergill) is his friend (Manish Paul), gets caught between screenplay by Yunus Sajawal and dialogue by starring Salman Khan and Govinda, where love humor. However, "Hai Jawani To Ishq Hona

three decades, has given Hindi cinema numerous hit comedies like Judwaa," "Coolie No. 1," and "Biwi No. 1." "Hai Jawani To Ishq inema after the COVID-19 pandemic has also changed audience nisunderstandings and relationship complexities that "Hai Jawani nore unbelievable and boring than entertaining. The formula that ave lost its luster today. Caught between girlfriend and wife, Jas Thakur), are on the verge of divorce. They've been married for five vants to focus on her career. She urges Jas to move on. Jas also Hegde). Meanwhile, he has almost forgotten the last intimate moment as also changed. The story takes a major turn when Bani and as of their pregnancy. This begins a series of confusions, as's legal wife, even though he is not married to Preet. However, eady to pull out a gun at the slightest provocation. Jas, along with he two women. The film's story lacks any freshness. With a Farhad Samji, the film is reminiscent of David's directorial debuts riangles, misunderstandings, and bizarre situations generated Hai" clearly lacks freshness. It feels like a clichéd Bollywood comedy concept that might not have made much of an impact even in its time. The film has a few entertaining dialogues, but the rest fails to captivate the audience. The film's strongest point is its visuals. The film was shot mostly in London, with Rishikesh also mentioned in the film, and the locations there are captivating. The music has a relatively better impact. Songs like "Chunri Chunri," "Mujhse Shaadi Karogi," and "Hai Jawani To Ishq Hona Hai," adapted from David Dhawan's past superhit films, briefly add excitement to the scenes. The story doesn't let Mrinal and Pooja shine. Varun Dhawan is the only actor in the film who, despite a weak script, delivers a compelling performance with energy and passion. Bani and Preet play crucial roles, but the script limits them to merely reacting to Jas's circumstances. Their characters lack the opportunity to elaborate on their thoughts and influence the course of events. Supporting actors Manish Paul, Chunky Pandey, Jimmy Shergill, Rajesh Sharma, Rakesh Bedi, and Mouni Roy all strive to carry the film through their assigned roles.